31वाँ दीक्षांत समारोह
31st CONVOCATION

Tuesday, March 14th 2023

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय
Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya

(A Central University)

Sagar-470003, Madhya Pradesh

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

के

कुलपति,

कार्यपरिषद्, विद्यापरिषद् के सदस्यगण एवं

विश्वविद्यालय परिवार

31वें दीक्षांत समारोह

के अवसर पर

चैत्र, कृष्णपक्ष, सप्तमी विक्रम संवत् 2080

तद्नुसार 14 मार्च 2023, मंगलवार, पूर्वान्ह 10.30 बजे

आपको सादर आमंत्रित करते हैं

गौर अतिथि

मा. श्री गोपाल भार्गव

कैबिनेट मंत्री

लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग, मध्यप्रदेश शासन

दीक्षांत भाषण

डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल

महासचिव

भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली

अध्यक्षता

मा. प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी

कुलाधिपति

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

वार्षिक प्रतिवेदन वाचन

मा. प्रो. नीलिमा गुप्ता

कुलपति

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

कार्यक्रम स्थल

स्वर्ण जयंती सभागार

विश्वविद्यालय परिसर, सागर (म.प्र.)

कुलसचिव

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

पत्रकार-वार्ता

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह के संबंध में आयोजित 'पत्रकार-वार्ता' में पत्रकार बंधुओं को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि दीक्षांत समारोह एक महत्त्वपूर्ण अकादमिक आयोजन है. इसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के पश्चात् विद्यार्थी अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए इस समारोह में शामिल होते हैं. यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस वर्ष भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हो रहे हैं. दीक्षांत का आयोजन का एक विद्यार्थी के जीवन में इस रूप में काफी मायने रखता है क्योंकि विश्वविद्यालय में रहते, पढ़ते और सीखते हुए अपने अनुभवों को समेटना सबसे अन्यतम अनुभवों में से एक है.

दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दीक्षांत समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययनशालाओं से स्नातक के 439, पीजी 399 एवं पीएच.डी. के 28 छात्रों सहित कुल 866 छात्र उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे. इसके अलावा 187 विद्यार्थियों को 'इन अब्सेंशिया' उपाधि प्रदान की जायेगी. इस प्रकार कुल 1053 छात्रों को उपाधि प्रदान की जायेगी. प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि छात्र अपनी डिग्री फाइल और ड्रेस सामग्री (बुंदेली पगड़ी और स्टोल) दिनांक 11 एवं 13 मार्च को सुबह 11.00 बजे से शाम 4.00 बजे एवं दिनांक 12 मार्च को दोपहर 02 बजे से 05 बजे से बीच विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में प्राप्त कर सकते हैं. उक्त सामग्री प्राप्त करने के लिए सभी पंजीकृत विद्यार्थियों को अपना प्रवेश पत्र एवं फोटो पहचान पत्र (आधार कार्ड, पैन कार्ड इत्यादि) लाना अनिवार्य होगा. पंजीकृत छात्र-छात्राएं दीक्षांत पोशाक में ही दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे. छात्रों के लिए ड्रेस कोड सफेद कुर्ता-पायजामा एवं छात्राओं के लिए सफेद सलवार-कुर्ता निर्धारित किया गया है.प्रो. नवीन कानगो ने बताया दीक्षांत समारोह में भाग लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं को समारोह में निर्धारित स्थान पर बैठना है जिसका विवरण उनके प्रवेश-पास पर स्पष्ट रूप से अंकित है. उपाधि प्राप्त करने वाले समस्त छात्र-छात्राओं को 14 मार्च 2023 को सुबह 10.15 बजे से पहले निर्धारित सीट ग्रहण करनी है. साथ में आने वाले व्यक्तियों के लिए भी स्थल का निर्धारण किया गया है. सभी को प्रचलित कोविड-19 प्रोटोकॉल के अनुसार मानक प्रक्रिया का पालन करना आवश्यक है. उन्होंने बताया कि समारोह में शामिल होने वाले सभी छात्र-छात्राएं वेबसाईट पर दिए गये गूगल फॉर्म के माध्यम से अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए प्रवेश-पास डाउनलोड कर सकते हैं. समारोह के सम्बन्ध में जारी दिशा-निर्देशों का सावधानीपूर्वक अवलोकन कर लें ताकि उन्हें कोई असुविधा न हो. पत्रकार वार्ता का संचालन मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जयसवाल ने किया. आभार ज्ञापन प्रभारी कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने किया. इस अवसर पर ईएमआरसी के निदेशक डॉ पंकज तिवारी, डॉ हिमांशु एवं शहर के गणमान्य पत्रकार बंधु उपस्थित रहे.

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में हुआ दीक्षांत समारोह का पूर्वाभ्यास
गौर प्रांगण में ली विद्यार्थियों उपाधि फाइल और दीक्षांत सामग्री

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के 31वें दीक्षांत समारोह की शोभा यात्रा के पूर्वाभ्यास में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता उपस्थित रहीं. विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सदस्य, प्रभारी कुलसचिव संतोष सोहगौरा एवं शिक्षक सदस्य, आयोजन समिति के सदस्य, अधिकारी एवं कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे.

विश्वविद्यालय : गौर समाधि प्रांगण में किया गया दीक्षांत पोशाक/उपाधि फ़ाइल का वितरण

दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों को बुंदेली पगड़ी, स्टोल और उनकी डिग्री फाइल का वितरण गौर प्रांगण से किया गया. 12 एवं 13 मार्च को सुबह 11 बजे से सायं 04 बजे तक दीक्षांत सामग्री का वितरण किया गया . विद्यार्थियों ने अपनी इंट्री पास और पहचान पत्र दिखाकर सामग्री प्राप्त की.

कुलपति, कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद सदस्यों सहित मेडल पाने वाले विद्यार्थियों ने किया पूर्वाभ्यास

दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित पूर्वाभ्यास में भाग लिया और विद्वत शोभायात्रा सहित मेडल प्रदान किये जाने की पूरी प्रक्रिया के संचालन का पूर्वाभ्यास किया. इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, माननीय कार्यपरिषद सदस्यों एवं विद्यापरिषद के सदस्यों ने भी पूर्वाभ्यास में सहभागिता की.

विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह

बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधि

डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर का 31वां दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित किया गया. दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि श्री गोपाल भार्गव, माननीय कैबिनेट मंत्री, लोक निर्माण विभाग, कुटीर और ग्रामीण उद्योग, म.प्र. सरकार ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया. भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली (AIU) की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और दीक्षांत भाषण दिया. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्वागत वक्तव्य के साथ ही वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने की. अतिथियों द्वारा डॉ. गौर और ज्ञान की देवी सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई.

राष्ट्र के प्रति कर्तव्यपालन का संकल्प लेकर कार्य करें - कुलाधिपति प्रो. जानी

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षान्त समारोह में उपाधि और

पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी राष्ट्रप्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए भारत के निर्माण में संलग्न हों, ऐसी मेरी कामना है. विश्वविद्यालय भारतीय दृष्टिकोण से विकास कर रहा है. सभागार में मौजूद विद्यार्थियों की पोशाक के माध्यम से बुन्देली अस्मिता के साथ भारतीय अस्मिता को स्थान मिला है. उन्होंने कहा की भारतीय मेधा को बढ़ाने में भारतीय आहार भी अपनी भूमिका निभाते है. उन्होंने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रारूप निर्माण के लिए डॉ हरीसिंह गौर को उनकी भारतीय सोच के लिए चुना गया था. प्रो. जानी ने डॉ. गौर के विकट जीवन संघर्षों को याद करते हुए बताया कि डॉ गौर ने ज्ञान को मनुष्य के उन्नति का मूल और भाषा को साधन मानते हुए अपने द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय में भारतीय भाषाओं के अध्ययन-अध्यापन के केंद्र की शुरुआत की. आज नई शिक्षा नीति में प्राथमिक स्तर पर भी भाषा की बात की जा रही है. नई शिक्षा नीति अंतरअनुशासनिक पद्धति से सर्वांगीण विकास की तरफ विद्यार्थियों को अग्रसर करती है. उन्होंने सभी विद्यार्थियों से राष्ट्र एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति प्रतिबद्ध रहने का अनुरोध किया जिससे उनके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण होगा.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन से भारत बनेगा विश्वगुरु- डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल

समारोह की विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली (AIU) की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल ने मेडल और उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दी. उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर विश्वविद्यालय को बधाई दी. उन्होंने विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए बधाई देते हुए कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मूक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है. उन्होंने पाँच आयामों की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को उनके आने वाले समय के अवसरों से परिचित करवाया. उन्होंने कहा कि यह अवसर

इसलिए खास है क्योंकि अमृतकाल महोत्सव मनाया जा रहा है इसके साथ ही नई शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वित हो रही है. डिजिटल शिक्षा भी आगे बढ़ रही है और इसके साथ ही भारत जी20 की अध्यक्षता भी कर रहा है. विद्यार्थियों की भी आकांक्षाएँ बढ़ रही है. वे 'लाइफ लॉंग लर्नर' बनने के साथ एक अच्छे इंसान भी बनने के लिए प्रेरित हैं. इन सभी बिंदुओं के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का महत्वपूर्ण योगदान है. उन्होंने शिक्षा नीति में नई तकनीक के साथ शिक्षा के पाठ्यक्रम मे बदलाव को रेखांकित किया. उन्होंने कहा कि शिक्षक को भी अपनी भूमिका में बदलाव लाने की जरूरत है. एक शिक्षक शिक्षा में सहायक के रूप में काम करेगा. डिजिटल कक्षाओं के संचालन से विद्यार्थी उन्ही कोर्स को पढ़ेंगे जिसमें उन्हे अच्छे शिक्षक पढ़ाएंगे. डिजिटल शिक्षा में अपनी सुविधा अनुसार विद्यार्थी आईआईटी के प्रोफेसर से पढ़ सकते हैं इसलिए शिक्षक को अपने पढ़ाने की भूमिका पर विशेष रूप से ध्यान देना होगा. उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन में भारत विश्वगुरु बन सकता है और उसे विश्वगुरु बनाने में डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का भी योगदान रहेगा.

विश्वविद्यालय के विद्यार्थी चेतना और संवेदना के ध्वजवाहक बनें- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा को विस्तारपूर्वक बताया. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के संकल्पों और आदर्शों पर चलकर यह विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है. विश्वविद्यालय अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से लगातार श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है. विज्ञान और समाज विज्ञान के शिक्षकों को कई शोध परियोजनाएं अनुदान प्रदान करने वाली संस्थाओं द्वारा स्वीकृत की गई हैं. शिक्षकों एवं

शोधार्थियों ने कई अवार्ड हासिल किये हैं. सांस्कृतिक परिषद् के माध्यम से विद्यार्थियों ने कई पुरस्कार हासिल किये हैं और विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई है. उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा प्रारम्भ किये गए नए पाठ्यक्रमों, नवीन भवनों और नवाचारी गतिविधियों की जानकारी विस्तारपूर्वक साझा की. विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के साथ उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर भी विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे कार्यों को साझा किया. उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हम एक श्रेष्ठ विश्वविद्यालय के रूप में अपनी पहचान बनायेंगे और उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मानक स्थापित करेंगे. उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए कहा कि विद्यार्थी डॉ. गौर के पदचिन्हों पर चलकर संस्थान और देश का नाम रोशन करें.

दीक्षांत विद्यार्थी के जीवन का गौरवशाली क्षण होता है- गोपाल भार्गव

मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश सरकार के लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव ने कहा कि हम सबका छात्र जीवन डॉ. गौर विश्वविद्यालय में बीता है. इसलिए मेरा आत्मीय लगाव है. मेरी इस विश्वविद्यालय से जुडी कई स्मृतियाँ हैं. उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और कहा कि विद्यार्थी अपने जीवन में आगे बढ़ें और राष्ट्र की सेवा में संलग्न होने का संकल्प लेकर कार्य करना आरम्भ करें. डॉ. गौर के सपनों को साकार करने के लिए हम सबका कर्तव्य है कि हम सभी देश को एक नई दिशा दें.

विश्वविद्यालय ध्वज के साथ हुआ दीक्षांत शोभायात्रा का आगमन

समारोह में विश्वविद्यालय ध्वज के साथ दीक्षांत शोभायात्रा का स्वर्ण जयन्ती सभागार में आगमन हुआ. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंत शांतिलाल जानी, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद् के माननीय सदस्य इस शोभायात्रा में सम्मिलित हुए. शोभायात्रा में कुलसचिव संतोष सोहगौरा ध्वजवाहक रहे.

54 विद्यार्थियों को स्वर्णपदक,11 अध्ययनशालाओं के यूजी-पीजी और पी-एचडी के विद्यार्थियों को मिली उपाधि

दीक्षांत समारोह में 54 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं सभी 11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी और पी-एचडी के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई. इसके अतिरिक्त पंजीकृत विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में भी डिग्री प्रदान की गई. विभिन पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मंचासीन अतिथियों ने मेडल भी प्रदान किया. समारोह में समस्त विद्यार्थियों ने बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में उपस्थित रहकर उपाधियाँ प्राप्त कीं.

गौर समाधि पर पुष्पांजलि, नवनिर्मित बालक छात्रावास का हुआ लोकार्पण

दीक्षांत समारोह के आरम्भ होने से पूर्व गणमान्य अतिथियों ने गौर समाधि पर पुष्पांजलि दी. इसके बाद सभी अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में विश्वविद्यालय के नवनिर्मित बालक छात्रावास के शिलापट्ट के अनावरण के साथ लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ.

एनसीसी कैडेट्स ने किया सहयोग

दीक्षांत समारोह के पूरे आयोजन में विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने अभूतपूर्व सहयोग किया. कार्यक्रम के दौरान विभिन्न स्थानों पर मौजूद रहकर वे अनुशासन एवं सहयोग में तत्पर दिखे. विश्वविद्यालय के प्रोक्टोरियल बोर्ड एवं सुरक्षा विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी सुरक्षा एवं अनुशासन में सहयोग प्रदान किया. जिला प्रशासन के अधिकारियों ने भी आयोजन में सहयोग किया. दीक्षांत समारोह का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया और उपाधि प्रदान किये जाने की समस्त कार्रवाई प्रभारी कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने संपन्न कराई. उन्होंने सभी अतिथियों के प्रति आभार प्रदर्शन भी किया. सम्पूर्ण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण विश्वविद्यालय के ईएमआरसी सागर के यूट्यूब चैनल से किया गया. कार्यक्रम में सागर शहर के गणमान्य नागरिक सहित विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षकगण, सेवारत शिक्षक, अधिकारी, जिला प्रशासन के विभिन्न पदाधिकारी, विद्यार्थी, प्रबुद्ध नागरिकगण, सम्माननीय जनप्रतिधि एवं मीडियाकर्मी बंधु उपस्थित रहे.

समाचार पत्रों में प्रकाशित ख़बरें

विश्वविद्यालय का 31 वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च को, बड़ी संख्या में शामिल होंगे विद्यार्थी

कुल 1053 छात्रों को उपाधि प्रदान की जाएगी

सागर। डॉ हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर का 31वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च को आयोजित होगा। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि लोक निर्माण विभाग, कुटीर और ग्रामीण उद्योग मंत्री गोपाल भार्गव होंगे एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली की महासचिव डॉ पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे। दीक्षांत समारोह के संबंध में आयोजित में पत्रकार वार्ता में पत्रकारों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि दीक्षांत समारोह एक महत्वपूर्ण अकादमिक आयोजन है। इसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के पश्चात् अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए इस समारोह में शामिल होते हैं। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस वर्ष भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हो रहे हैं।

दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दीक्षांत समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययनशालाओं स्नातक के 439, पीजी 399 एवं पीएचडी के 28 छात्रों सहित कुल 866 छात्र उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे। इसके अलावा 187 विद्यार्थियों को इन अब्सेंशिया उपाधि प्रदान की जायेगी। इस प्रकार कुल 1053 छात्रों को उपाधि प्रदान की जायेगी। प्रो. कानगो ने बताया कि छात्र अपनी डिग्री फाइल और ड्रेस सामग्री (बुंदेली पगड़ी और स्टोल) 11 एवं 13 मार्च को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे एवं 12 मार्च को दोपहर 02 बजे से 05 बजे से बीच विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में प्राप्त कर सकते हैं। पंजीकृत छात्र छात्राएं दीक्षांत पोशाक में ही दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे।

स्वर्ण जयंती सभागार में 12 एवं 13 मार्च को होगा पूर्वाभ्यास

प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि 12 एवं 13 मार्च को अपराह्न 3 बजे स्वर्ण जयंती सभागार में पूर्वाभ्यास भी होगा जिसमें पंजीकृत छात्र छात्राएं भी भाग लेंगे। उपाधि प्राप्त करने वाले समस्त छात्र छात्राओं को 14 मार्च को सुबह 10.15 बजे से पहले निर्धारित सीट ग्रहण करनी होगी। साथ में आने वाले व्यक्तियों के लिए भी स्थल का निर्धारण किया गया है। सभी को प्रचलित कोविड-19 प्रोटोकॉल के अनुसार मानक प्रक्रिया का पालन करना आवश्यक होगा।

14 से 16 मार्च तक होगा प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का आयोजन

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने जानकारी देते हुए कहा कि 14 मार्च के दिन ही विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के साथ मिलकर तीन दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन राष्ट्रीय महिला छात्र संसद भी करने जा रहा है। हमारे विश्वविद्यालय को प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद के आयोजन का सौभाग्य मिला है जिसमें देश के कई विश्वविद्यालयों की छात्राएं भाग लेंगी।

विवि में पहली बार होगी राष्ट्रीय महिला छात्र संसद

दीक्षा दिवस समारोह ● डा. हरीसिंह गौर विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में 1053 विद्यार्थियों को दी जाएगी उपाधि

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विवि में 31 वें दीक्षा समारोह की तैयारियां शुरू हो गई हैं। विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में 14 मार्च को बुंदेली पगड़ी पहनाकर विवि के 1053 विद्यार्थियों के लिए अतिथियों द्वारा डिग्री दी जाएगी। वहीं इस दौरान विवि में पहली बार भारतीय विवि संघ नई दिल्ली के तत्वावधान में राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का आयोजन भी किया जाएगा। इस तीन दिवसीय आयोजन के लिए विवि परिसर में नवनिर्मित अभिमंच सभागार में मंच तैयार किया जा रहा है।

दीक्षा समारोह के संबंध में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि दीक्षा समारोह एक महत्त्वपूर्ण अकादमिक आयोजन है। इसमें विवि के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के बाद अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए इस समारोह में शामिल होते हैं। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस वर्ष भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए दीक्षा समारोह में सम्मिलित हो रहे हैं। दीक्षा का आयोजन का एक विद्यार्थी के जीवन में इस रूप में काफी मायने रखता है, क्योंकि विवि में रहते, पढ़ते और सीखते हुए अपने अनुभवों को समेटना सबसे अन्य अनुभवों में से एक है।

दीक्षा दिवस समारोह की जानकारी देती हुई कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता। ● नवदुनिया

पगड़ी व सफेद कुर्ता पायजामा होगा ड्रेस कोड

प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि छात्र अपनी डिग्री फाइल और ड्रेस सामग्री (बुंदेली पगड़ी और स्टोल) दिनांक 11 एवं 13 मार्च को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे एवं दिनांक 12 मार्च को दोपहर 2 बजे से 5 बजे से बीच विवि के गौर प्रांगण में दी जाएगी। यह सामग्री प्राप्त करने के लिए सभी पंजीकृत विद्यार्थियों को अपना प्रवेश पत्र एवं फोटो पहचान पत्र (आधार कार्ड, पैन कार्ड इत्यादि) लाना अनिवार्य होगा। पंजीकृत छात्र-छात्राएं दीक्षा पोशाक में ही समारोह में शामिल होंगे। छात्रों के लिए ड्रेस कोड सफेद कुर्ता-पायजामा एवं छात्राओं के लिए सफेद सलवार-कुर्ता निर्धारित किया गया है जिसकी व्यवस्था छात्र-छात्राओं को स्वयं करनी होगी।

समारोह में 1053 को मिलेगी उपाधि : दीक्षा समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दीक्षा समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययनशालाओं स्नातक के 439, पीजी 399 एवं पीएच.डी. के 28 छात्रों सहित कुल 866 छात्र उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे। इसके अलावा 187 विद्यार्थियों को इन अब्सेंशिया उपाधि दी जाएगी। इस प्रकार कुल 1053 छात्रों को उपाधि प्रदान की जाएगी। समारोह में मुख्य अतिथि लोक निर्माण विभाग मंत्री गोपाल भार्गव एवं विशिष्ट अतिथि भारतीय विवि संघ की महासचिव डा. पंकज मित्तल उपस्थित रहेंगी। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी। समारोह की अध्यक्षता विवि के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे।

स्वर्ण जयंती सभागार में कल से होगा पूर्वाभ्यास : प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि दिनांक 12 एवं 13 मार्च को दोपहर 3 बजे से विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में समारोह का पूर्वाभ्यास भी होगा, जिसमें पंजीकृत छात्र-छात्राएं भी भाग लेंगे। समारोह में भाग लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं को समारोह में निर्धारित स्थान पर बैठना होगा जिसका विवरण उनके प्रवेश-पास पर स्पष्ट रूप से अंकित होगा। उपाधि प्राप्त करने वाले समस्त छात्र-छात्राओं को 14 मार्च 2023 को सुबह 10.15 बजे से पहले निर्धारित सीट ग्रहण करनी होगी। समारोह में शामिल होने वाले सभी छात्र-छात्राएं वेबसाईट पर दिए गए गूगल फार्म के माध्यम से अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए प्रवेश-पास डाउनलोड कर सकते हैं।

तीन दिवसीय राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का होगा आयोजन : कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि 14 मार्च के दिन ही विवि में भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के साथ मिलकर पहला तीन दिवसीय राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का आयोजन भी किया रहा है। इस दौरान देश के कई विवि की छात्राएं भाग लेंगी। उन्होंने कहा कि यह आयोजन महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। सांस्कृतिक परिषद के समन्वयक डा. राकेश सोनी ने राष्ट्रीय महिला छात्र संसद के आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन मीडिया अधिकारी डा. विवेक जायसवाल ने किया व आभार कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने व्यक्त किया। इस अवसर पर ईएमआरसी निदेशक डा. पंकज तिवारी, समथ दीक्षित, डा. हिमांशु उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय का 31 वाँ दीक्षांत समारोह 14 मार्च को, बड़ी संख्या में शामिल होंगे विद्यार्थी

सागर, प्रदेश टाईम्स। डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर का 31वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च 2023 को आयोजित होगा । विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि गोपाल भार्गव, माननीय कैबिनेट मंत्री, लोक निर्माण विभाग, कुटीर और ग्रामीण उद्योग, म.प्र. सरकार होंगे एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली (ड्ढ) की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी. समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे। दीक्षांत समारोह के संबंध में आयोजित में 'पत्रकार-वार्ता' में पत्रकारों बंधुओं को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि दीक्षांत समारोह एक महत्त्वपूर्ण अकादमिक आयोजन है. इसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के पश्चात् अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए इस समारोह में शामिल होते हैं. यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस वर्ष भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हो रहे हैं. दीक्षांत का आयोजन का एक विद्यार्थी के जीवन में इस रूप में काफी मायने रखता है क्योंकि विश्वविद्यालय में रहते, पढ़ते और सीखते हुए अपने अनुभवों को समेटना सबसे अन्यतम अनुभवों में से एक है।दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दीक्षांत समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययनशालाओं स्नातक के 439, पीजी 399 एवं पीएच.डी. के 28 छात्रों सहित कुल 866 छात्र उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे. इसके अलावा 187 विद्यार्थियों को 'इन अब्सेंशिया' उपाधि प्रदान की जायेगी. इस प्रकार कुल 1053 छात्रों को उपाधि प्रदान की जायेगी पंजीकृत छात्र-छात्राएं दीक्षांत पोशाक में ही दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे. छात्रों के लिए ड्रेस कोड सफेद कुर्ता-पायजामा एवं छात्राओं के लिए सफेद सलवार-कुर्ता निर्धारित किया गया है जिसकी व्यवस्था छात्र-छात्राओं को स्वयं करनी होगी ।14 से 16 मार्च तक होगा प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का आयोजन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने जानकारी देते हुए कहा कि 14 मार्च के दिन ही विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के साथ मिलकर तीन दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन 'राष्ट्रीय महिला छात्र संसद' भी करने जा रहा है. हमारे विश्वविद्यालय को 'प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद' के आयोजन का सौभाग्य मिला है जिसमें देश के कई विश्वविद्यालयों की छात्राएं भाग लेंगी. उन्होंने कहा कि यह आयोजन महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी ।

डॉ. गौर विवि का 31वां दीक्षांत समारोह 14 को

स्वदेश ज्योति संवाददाता, सागर

डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह 14मार्च को विवि के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित किया जाएगा ।समारोह में मु य अतिथि मप्र सरकार के मंत्री गोपाल भार्गव एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ. श्रीमती पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी।

यह जानकारी शुक्रवार को पत्रकारों से करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने दी। उन्होंने बताया दीक्षांत समारोह महत्त्वपूर्ण अकादमिक आयोजन है। इसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के बाद उपाधि लेने छात्र शामिल होते हैं। समारोह के मु य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययन शालाओं स्नातक के 439, पीजी 399 एवं पीएचडी के 28 छात्रों सहित 866 छात्र उपाधि दी जाएगी। इसके अलावा 187 विद्यार्थियों को इन अब्सेंशिया उपाधि दी जायेगी। उपाधि 11 से 13 मार्च तक दी जाएंगी। दीक्षांत समारोह में शामिल होंने वाले छात्रों के लिए ड्रेस कोड सफेद कुर्ता.पायजामा एवं छात्राओं के लिए सफेद सलवार कुर्ता निर्धारित किया गया है, ड्रेस की व्यवस्था छात्र- छात्राओं को स्वयं करनी होगी।

▸ 866 छात्र-छात्राओं को मिलेगी उपाधि

प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का आयोजन

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया 14 से 16 मार्च तक विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के साथ मिलकर तीन दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का आयोजन होगा। इसमें देश के कई विश्वविद्यालयों की छात्राएं भाग लेंगी। आयोजन महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी तय करने मील का पत्थर साबित होगी। सांस्कृतिक परिषद् के समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने राष्ट्रीय महिला छात्र संसद के आयोजन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। पत्रकार वार्ता का संचालन मीडिया अधिकारी डॉ विवेक जयसवाल ने किया। आभार कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने माना।

विवि का 31वां दीक्षांत समारोह आज, 1053 को मिलेगी डिग्री

पीडब्ल्यूडी मंत्री गोपाल भार्गव होंगे मुख्य अतिथि

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह स्वर्ण जयंती सभागार में सुबह 10.30 बजे से होगा। समारोह के मुख्य अतिथि पीडब्ल्यूडी मंत्री गोपाल भार्गव होंगे। विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल का दीक्षांत भाषण होगा। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता स्वागत भाषण व वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी। अध्यक्षता कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे। समारोह में 11 अध्ययनशाला में स्नातक के 439, पीजी के 399 एवं पीएचडी के 28 विद्यार्थियों सहित कुल 866 विद्यार्थी उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त 187 विद्यार्थियों को इन अब्सेंशिया उपाधि दी जाएगी। इस प्रकार कुल 1053 विद्यार्थियों को उपाधि दी जाएगी। विद्यार्थी बुंदेली पारंपरिक वेश-भूषा में डिग्री प्राप्त करेंगे। दीक्षांत समारोह का लाइव प्रसारण विश्वविद्यालय के ईएमआरसी सागर के यूट्यूब चैनल से किया जाएगा। मंगलवार को ही विवि के नवनिर्मित बालक छात्रावास का लोकार्पण भी होगा। दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थियों को मेडल दिए जाएंगे। दीक्षांत समारोह को लेकर सोमवार को स्वर्ण जयंती सभागार में पूर्वाभ्यास हुआ। इसमें कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता सहित ईसी, एसी सदस्य एवं अन्य लोग शामिल हुए। गौर समाधि प्रांगण में दीक्षांत सामग्री का वितरण किया गया।

मिलेट को लेकर विद्यार्थियों को करेंगे जागरुक, जौ-ज्वार के पकवान खाएंगे अतिथि : दीक्षांत समारोह में शामिल हो रहे अतिथियों को जौ-ज्वार के पकवान भी परोसे जाएंगे। इसके साथ ही रागी, जौ-ज्वार, बाजरा, कुटकी, कोदों भी उन्हें भेंट किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष-2023 के विवि के नोडल अधिकारी डॉ. अभिषेक जैन के मुताबिक मोटा अनाज के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से फूड पैकेट के साथ मोटा अनाज के जागरूकता पत्रक भी दिए जाएंगे।

विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह 14 को

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर का 31वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च 2023 को आयोजित होगा। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि गोपाल भार्गव, माननीय कैबिनेट मंत्री, लोक निर्माण विभाग, कुटीर और ग्रामीण उद्योग, म.प्र. सरकार होंगे एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी. समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे। दीक्षांत समारोह के संबंध में आयोजित में 'पत्रकार-वार्ता' में पत्रकारों बंधुओं को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि दीक्षांत समारोह एक महत्वपूर्ण अकादमिक आयोजन है. इसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के पश्चात् अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए इस समारोह में शामिल होते हैं. यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस वर्ष भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हो रहे हैं।

दीक्षांत का आयोजन का एक विद्यार्थी के जीवन में इस रूप में काफी मायने रखता है क्योंकि विश्वविद्यालय में रहते, पढ़ते और सीखते हुए अपने अनुभवों को समेटना सबसे अन्यतम अनुभवों में से एक है। दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दीक्षांत समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययन शालाओं स्नातक के 439, पीजी 399 एवं पीएच.डी. के 28 छात्रों सहित कुल 866 छात्र उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे. इसके अलावा 187 विद्यार्थियों को 'इन अब्सेंशिया' उपाधि प्रदान की जायेगी. इस प्रकार कुल 1053 छात्रों को उपाधि प्रदान की जायेगी.

11 से 13 मार्च तक होगा सामग्री वितरण

प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि छात्र अपनी डिग्री फाइल और ड्रेस सामग्री (बुंदेली पगड़ी और स्टोल) दिनांक 11 एवं 13 मार्च को सुबह 11.00 बजे से शाम 4.00 बजे एवं दिनांक 12 मार्च को दोपहर 02 बजे से 05 बजे से बीच विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में प्राप्त कर सकते हैं. उक्त सामग्री प्राप्त करने के लिए सभी पंजीकृत विद्यार्थियों को अपना प्रवेश पत्र एवं फोटो पहचान पत्र (आधार कार्ड, पैन कार्ड इत्यादि) लाना अनिवार्य होगा।

पंजीकृत छात्र-छात्राएं दीक्षांत पोशाक में ही दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे. छात्रों के लिए ड्रेस कोड सफेद कुर्ता-पायजामा एवं छात्राओं के लिए सफेद सलवार-कुर्ता निर्धारित किया गया है जिसकी व्यवस्था छात्र-छात्राओं को स्वयं करनी होगी।

12 एवं 13 मार्च को होगा पूर्वाभ्यास

प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि दिनांक 12 एवं 13 मार्च 2023 को अपराह्न 3.00 बजे स्वर्ण जयंती सभागार में पूर्वाभ्यास भी होगा जिसमें पंजीकृत छात्र-छात्राएं भी भाग लेंगे. दीक्षांत समारोह में भाग लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं को समारोह में निर्धारित स्थान पर बैठना होगा जिसका विवरण उनके प्रवेश-पास पर स्पष्ट रूप से अंकित होगा. उपाधि प्राप्त करने वाले समस्त छात्र-छात्राओं को 14 मार्च 2023 को सुबह 10.15 बजे से पहले निर्धारित सीट ग्रहण करनी होगी. साथ में आने वाले व्यक्तियों के लिए भी स्थल का निर्धारण किया गया है. सभी को प्रचलित कोविड-19 प्रोटोकॉल के अनुसार मानक प्रक्रिया का पालन करना आवश्यक होगा। उन्होंने बताया कि समारोह में शामिल होने वाले सभी छात्र-छात्राएं वेबसाईट पर दिए गये गूगल फॉर्म के माध्यम से अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए प्रवेश-पास डाउनलोड कर सकते है. समारोह के सम्बन्ध में जारी दिशा-निर्देशों का सावधानीपूर्वक अवलोकन कर लें ताकि उन्हें कोई असुविधा न हो।

प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का आयोजन

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने जानकारी देते हुए कहा कि 14 मार्च के दिन ही विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के साथ मिलकर तीन दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन 'राष्ट्रीय महिला छात्र संसद' भी करने जा रहा है. हमारे विश्वविद्यालय को 'प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद' के आयोजन का सौभाग्य मिला है जिसमें देश के कई विश्वविद्यालयों की छात्राएं भाग लेंगी. उन्होंने कहा कि यह आयोजन महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी. उन्होंने सभी पत्रकार बंधुओं का अभिनंदन करते हुए सभी कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की. सांस्कृतिक परिषद् के समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने राष्ट्रीय महिला छात्र संसद के आयोजन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। पत्रकारवार्ता का संचालन मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जयसवाल ने किया। आभार ज्ञापन कुलसचिव श्री संतोष सोहगौरा ने किया। इस अवसर पर इएमआरसी निदेशक डॉ पंकज तिवारी, डॉ हिमांशु एवं शहर के गणमान्य पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय का 31 वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च को, बड़ी संख्या में शामिल होंगे विद्यार्थी

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च को आयोजित होगा। विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि गोपाल भार्गव कैबिनेट मंत्री होंगे एवं भारतीय विवि संघ नई दिल्ली एआईयू की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी। समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे। दीक्षांत समारोह के संबंध में आयोजित में पत्रकार वार्ता में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि दीक्षांत समारोह एक महत्त्वपूर्ण अकादमिक आयोजन है। इसमें विवि के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के पश्चात् अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए इस समारोह में शामिल होते हैं। इस वर्ष भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हो रहे हैं। दीक्षांत का आयोजन का एक विद्यार्थी के जीवन में इस रूप में काफी मायने रखता है क्योंकि विवि में रहते, पढ़ते और सीखते हुए अपने अनुभवों को समेटना सबसे अन्यतम अनुभवों में से एक है। दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि इस दीक्षांत समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययन शालाओं स्नातक के 439, पीजी 399 एवं पीएचडी के 28 छात्रों सहित कुल 866 छात्र उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे। इसके अलावा 187 विद्यार्थियों को इन अब्सेंशिया उपाधि प्रदान की जायेगी। इस प्रकार कुल 1053 छात्रों को उपाधि प्रदान की जायेगी। छात्र अपनी डिग्री फाइल और ड्रेस सामग्री बुंदेली पगड़ी और स्टोल 11 एवं 13 मार्च को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे एवं 12 मार्च को दोपहर 2 बजे से 5 बजे से बीच विवि के गौर प्रांगण में प्राप्त कर सकते हैं। उक्त सामग्री प्राप्त करने के लिए सभी पंजीकृत विद्यार्थियों को अपना प्रवेश पत्र एवं फोटो पहचान पत्र आधार कार्ड पैन कार्ड इत्यादि लाना अनिवार्य होगा। पंजीकृत छात्र छात्राएं दीक्षांत पोशाक में ही दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। छात्रों के लिए ड्रेस कोड सफेद कुर्ता पायजामा एवं छात्राओं के लिए सफेद सलवार कुर्ता निर्धारित किया गया है जिसकी व्यवस्था छात्र छात्राओं को स्वयं करनी होगी। उपाधि प्राप्त करने वाले समस्त छात्र छात्राओं को 14 मार्च को सुबह 10.15 बजे से पहले निर्धारित सीट ग्रहण करनी होगी। पत्रकारवार्ता का संचालन मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जयसवाल ने किया। आभार ज्ञापन कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने किया। इस अवसर पर इएमआरसी निदेशक डॉ.पंकज तिवारी, डॉ.हिमांशु उपस्थित रहे।

विवि का 31 वाँ दीक्षांत समारोह 14 मार्च को, शामिल होंगे विद्यार्थी

म.प्र. कैबिनेट मंत्री पं.गोपाल भार्गव होंगे मुख्य अतिथि

सागर। डा. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर का 31वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च 2023 को आयोजित होगा। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि गोपाल भार्गव, कैबिनेट मंत्री, लोक निर्माण विभाग, कुटीर और ग्रामीण उद्योग, म.प्र. सरकार होंगे एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे।

दीक्षांत समारोह के संबंध में आयोजित में पत्रकार-वार्ता में पत्रकारों बंधुओं को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि दीक्षांत समारोह एक महत्त्वपूर्ण अकादमिक आयोजन है। इसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के पश्चात् अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए इस समारोह में शामिल होते हैं। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस वर्ष भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हो रहे हैं। दीक्षांत का आयोजन का एक विद्यार्थी के जीवन में इस रूप में काफी मायने रखता है क्योंकि विश्वविद्यालय में रहतेए पढ़ते और सीखते हुए अपने अनुभवों को समेटना सबसे अन्यतम अनुभवों में से एक है।

11 से 13 मार्च तक होगा सामग्री वितरण

प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि छात्र अपनी डिग्री फाइल और ड्रेस सामग्री ;बुंदेली पगड़ी और स्टोलद्ध दिनांक 11 एवं 13 मार्च को सुबह 11.00 बजे से शाम 4.00 बजे एवं दिनांक 12 मार्च को दोपहर 02 बजे से 05 बजे से बीच विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में प्राप्त कर सकते हैं।

पत्रकारवार्ता का संचालन मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जयसवाल ने किया। आभार ज्ञापन कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने किया। इस अवसर पर इएमआरसी निदेशक डॉ पंकज तिवारी, डॉ हिमांशु एवं शहर के गणमान्य पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

देश में राष्ट्रीय महिला छात्र संसद की मेजबानी करेगा सागर विवि

प्रवेश संवाद ◆ सागर

ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का आयोजन देश में पहली बार होने जा रहा है। खास बात तो यह है कि इस आयोजन की मेजबानी डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय को दी गई है। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम का आयोजन 14 से 16 मार्च तक किया जाएगा। जिसमें देशभर के विश्वविद्यालयों से छात्राएं भाग लेंगी। आयोजन को लेकर शुक्रवार को पत्रकारवार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान आयोजन के

प्रभारी डॉ. राकेश सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय महिला छात्र संसद को लेकर देशभर से विश्वविद्यालयों की एंट्री आ रही है। अब तक महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़ और असम समेत 15 राज्यों के विश्वविद्यालयों ने सहभागिता सुनिश्चित की है। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि पहली बार आयोजित हो रही इस प्रतियोगिता के लिए हमने खास तैयारियां की हैं। यूजीसी से गाइडलाइन मिलने के बाद विश्वविद्यालय में एक कृत्रिम संसद भी बनाई जा रही है। कार्यक्रम का उद्घाटन 14 मार्च को दोपहर 2 बजे से किया जाएगा। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल होंगी। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में यूजीसी के संयुक्त सचिव डॉ. बलजीत सिंह, कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी और विधायक शैलेंद्र जैन व महापौर संगीता सुशील तिवारी मौजूद रहेंगे। पत्रकारवार्ता का संचालन डॉ. विवेक जायसवाल ने किया और आभार प्रभारी कुलसचिव डॉ. संतोष सोहगौरा ने माना।

दीक्षांत समारोह में 886 को मिलेगी डिग्री

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में 14 मार्च को 31वें दीक्षांत समारोह का आयोजन होने जा रहा है। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. नवीन कानो ने जानकारी देते हुए बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि मप्र शासन के लोकनिर्माण मंत्री गोपाल भार्गव होंगे। वहीं कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल रहेंगी। इस दौरान यूजी के 439, पीजी के 399 और पीएचडी के 28 विद्यार्थी यानी कुल 886 विद्यार्थियों को समारोह के दौरान डिग्री प्रदान की जाएगी। वहीं 187 विद्यार्थियों को डाक द्वारा डिग्री भेजने की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा अलग-अलग स्कूलों के टॉपर 54 विद्यार्थियों को मंच से गोल्ड मेडल दिया जाएगा। इस दौरान कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि सागर विश्वविद्यालय के केंद्रीय बनने के बाद से यह 5वां दीक्षांत समारोह है।

स्वर्ण जयंती सभागार में हुआ दीक्षांत समारोह का रिहर्सल

- गौर प्रांगण में ली विद्यार्थियों ने डिग्री और दीक्षांत सामग्री
- आज भी होगा रिहर्सल और सामग्री वितरण

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में 31 वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च को विवि के स्वर्णजयंती सभागार में आयोजित किया जा रहा है। इसकी पूर्व तैयारी जोरों पर है। रविवार को स्वर्ण जयंती सभागार में दीक्षांत समारोह की शोभा यात्रा के पूर्वाभ्यास में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता उपस्थित रहीं। कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सदस्य कुलसचिव संतोष सोहगौरा एवं शिक्षक सदस्य, आयोजन समिति के सदस्य, अधिकारी एवं कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों को बुंदेली पगड़ी, स्टोल और उनकी डिग्री फाइल का वितरण गौर प्रांगण से किया जा रहा है। आज भी सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक दीक्षांत सामग्री का वितरण किया जाएगा। विद्यार्थी निर्देशानुसार अपनी इंट्री पास और पहचान पत्र दिखाकर सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। दीक्षान्त समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि समारोह में सम्मिलित होने वाले सभी छात्र-छात्राओं को निर्धारित परिधान कुर्ता पायजामा एवं सलवार कुर्ता एवं विवि द्वारा प्रदत्त बुंदेली पगड़ी, स्टोल में आना अनिवार्य है। सभी छात्र छात्राएं निर्धारित समय पर समारोह स्थल पर पहुंचे और जारी किए गए दिशा निर्देशों का पालन करें ताकि उन्हें कोई असुविधा न हो।

कुलपति, कार्यपरिषद व विद्यापरिषद सदस्यों सहित मेडल पाने वाले विद्यार्थियों ने किया पूर्वाभ्यास

केंद्रीय विश्वविद्यालय का 31 वां दीक्षांत समारोह आज

1053 छात्र-छात्राओं को प्रदान की जाएगी उपाधि

सागर। डॉ हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर का 31वां दीक्षांत समारोह आज विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में सुबह 10.30 बजे से आयोजित होगा। इस दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि लोक निर्माण विभाग, कुटीर और ग्रामीण उद्योग मंत्री गोपाल भार्गव होंगे एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। समारोह में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता स्वागत वक्तव्य के साथ ही वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी। दीक्षांत समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययनशालाओं स्नातक के 439, पीजी 399 एवं पीएचडी. के 28 छात्रों सहित कुल 866 छात्र उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त 187 विद्यार्थियों को इन अब्सेंशिया उपाधि प्रदान की जायेगी। इस प्रकार कुल 1053 छात्रों को उपाधि प्रदान की जायेगी। समारोह में समस्त विद्यार्थी बुन्देली पारंपरिक वेश भूषा में अपनी उपाधियां प्राप्त करेंगे। दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो नवीन कानगो ने बताया कि सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थियों को मंचस्थ अतिथियों द्वारा मेडल प्रदान किया जाएगा। उपाधि पाने वाले सभी छात्र छात्राएं निर्धारित परिधान एवं विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किये बुन्देली पगड़ी एवं स्टोल में ही सम्मिलित होंगे। दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित पूर्वाभ्यास में भाग लिया और विद्वत शोभायात्रा सहित मेडल प्रदान किये जाने की पूरी प्रक्रिया के संचालन का पूर्वाभ्यास किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, कार्यपरिषद सदस्यों एवं विद्यापरिषद के सदस्यों ने भी पूर्वाभ्यास में सहभागिता की। दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले समस्त छात्र छात्राओं के दीक्षांत पोशाक का वितरण गौर समाधि प्रांगण से किया गया।

दीक्षांत समारोह, राष्ट्रीय महिला छात्र संसद आज

नवभारत न्यूज

सागर 13 मार्च. डॉ हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह स्वर्ण जयंती सभागार में 14 मार्च को आयोजित होगा.

दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री गोपाल भार्गव, एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ.श्रीमती पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी. समारोह में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता स्वागत वक्तव्य के साथ ही वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी. समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के

कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे.

नवनिर्मित बालक छात्रावास का लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न होगा. अभिमंच सभागार में 14 मार्च को दोपहर 2 बजे से भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के तत्वावधान में तीन दिवसीय प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का भी शुभारंभ होगा.

आयोजन

म.प्र. कैबिनेट मंत्री गोपाल भार्गव होंगे मुख्य अतिथि, भारतीय विवि संघ की महासचिव डॉ. मित्तल होंगी विशिष्ट अतिथि

विश्वविद्यालय का 31 वाँ दीक्षांत समारोह आज, कार्यक्रम होंगे

सागर, आचरण संवाददाता।

[illegible] गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर का 31वां दीक्षांत समारोह आज [illegible] स्वर्ण जयंती सभागार में सुबह 10.30 बजे से आयोजित होगा। इस [illegible] समारोह में मुख्य अतिथि गोपाल भार्गव, कैबिनेट मंत्री, लोक निर्माण विभाग, कुटीर [illegible] म.प्र. सरकार होंगे एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली की [illegible] डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। समारोह [illegible] विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता [illegible] वार्षिक प्रगति [illegible] प्रस्तुत करेंगी। विशिष्ट अतिथि डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल का दीक्षांत भाषण [illegible]

करेंगे। दीक्षांत समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययनशालाओं स्नातक के 439, पीजी 399 एवं पीएच.डी. के 28 छात्रों सहित कुल 866 छात्र उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे. इसके अतिरिक्त 187 विद्यार्थियों को 'इन अब्सेंशिया' उपाधि प्रदान की जायेगी. इस प्रकार कुल 1053 छात्रों को उपाधि प्रदान की जायेगी।

यूट्यूब पर होगा दीक्षांत समारोह का लाइव प्रसारण

समारोह में समस्त विद्यार्थी बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में अपनी उपाधियां प्राप्त करेंगे. दीक्षांत समारोह के सम्पूर्ण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण विश्वविद्यालय के ईएमआरसी सागर के यूट्यूब चैनल से किया जाएगा. यूट्यूब चैनल की लिंक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षकगण, [illegible] अधिकारियों, विद्यार्थियों, प्रबुद्ध नागरिकगण, सम्मानीय जनप्रतिनिधियों एवं मीडियाकर्मी बंधुओं को आमंत्रित किया गया है।

नवीन बालक छात्रावास का भी होगा लोकार्पण

दीक्षांत समारोह के आरम्भ होने से पूर्व गणमान्य अतिथि गौर समाधि पर पुष्पांजलि देंगे. पुष्पांजलि कार्यक्रम के पश्चात सभी गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में नवनिर्मित बालक छात्रावास का लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न होगा।

दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थियों को मंचस्थ अतिथियों द्वारा मेडल प्रदान किया जाएगा। मेडल पाने वाले विद्यार्थियों की स्वर्ण जयन्ती सभागार में बैठक व्यवस्था निर्धारित की गई है। यूजी, पीजी और पीएचडी उपाधि पाने वाले छात्र-छात्राएं [illegible] पास पर लिखित बैठक व्यवस्था के अनुसार समय पूर्व निर्धारित स्थान ग्रहण कर लें. उपाधि पाने वाले सभी छात्र-छात्राएं निर्धारित परिधान (छात्र, सफेद कुर्ता-पायजामा एवं छात्राएं सलवार-कुर्ता) एवं विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किये बुन्देली पगड़ी एवं स्टोल में ही सम्मिलित होंगे।

एनसीसी कैडेट्स करेंगे बैठक व्यवस्था में सहयोग

दीक्षांत समारोह आयोजन में सहयोग के लिए विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने भी पूर्वाभ्यास में भाग लिया. पूरे कार्यक्रम के दौरान एनसीसी और अनुशासन समिति के सदस्य विभिन्न स्थानों पर अनुशासन एवं सहयोग के लिए अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे।

मैडल पाने वाले विद्यार्थियों ने किया पूर्वाभ्यास

दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित पूर्वाभ्यास में भाग लिया और [illegible] मेडल प्रदान किये जाने की पूरी प्रक्रिया के संचालन का पूर्वाभ्यास किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, कार्यपरिषद सदस्यों एवं विद्यापरिषद के सदस्यों ने भी पूर्वाभ्यास में सहभागिता की।

विद्यार्थियों को दी पगड़ी, स्टॉल व उपाधि, सोमवार को अंतिम रिहर्सल

स्वर्ण जयंती सभागार में हुआ विवि के दीक्षांत समारोह का पूर्वाभ्यास

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉक्टर हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय का 31 वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च को स्वर्ण जयंती सभागार में होगा। रविवार को आयोजन से पूर्व पूर्वाभ्यास किया गया। दोपहर 3 बजे समारोह की शोभायात्रा में कुलपति भी मौजूद रहीं। दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को बुंदेली पगड़ी, स्टॉल और उपाधि का वितरण गौर प्रांगण से किया गया।

सोमवार 13 मार्च को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच समारोह का अंतिम पूर्वाभ्यास किया जाएगा। मुख्य समन्वयक प्रो नवीन कान्गो ने बताया कि समारोह में सम्मिलित होने वाले सभी छात्र-छात्राओं को निर्धारित परिधान (कुर्ता-पायजामा एवं सलवार-कुर्ता) एवं विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध बुंदेली पगड़ी, स्टॉल में निर्धारित समय से पूर्व सभागार में तय स्थान पर बैठना होगा। पूर्वाभ्यास के मौके पर कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सदस्य, कुलसचिव संतोष सोहगौरा एवं प्राध्यापक, आयोजन समिति सदस्य, अधिकारी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय का 31 वां दीक्षांत समारोह आज

बुन्देली वेश-भूषा में विद्यार्थी प्राप्त करेंगे उपाधि, मंत्री गोपाल भार्गव होंगे मुख्य अतिथि

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विवि का 31वां दीक्षांत समारोह मंगलवार को विवि के स्वर्ण जयन्ती सभागार में सुबह 10.30 बजे से आयोजित होगा। दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि गोपाल भार्गव कैबिनेट मंत्री होंगे एवं भारतीय विवि संघ नई दिल्ली एआईयू की महासचिव डॉ.पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। विशिष्ट अतिथि डॉ.पंकज मित्तल का दीक्षांत भाषण होगा। समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे। दीक्षांत समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययन शालाओं स्नातक के 439, पीजी 399 एवं पीएचडी के 28 छात्रों सहित कुल 866 छात्र उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त 187 विद्यार्थियों को इन अब्सेंशिया उपाधि प्रदान की जायेगी। इस प्रकार कुल 1053 छात्रों को उपाधि प्रदान की जायेगी। दीक्षांत समारोह के आरंभ होने से पूर्व गणमान्य अतिथि गौर समाधि पर पुष्पांजलि देंगे। पुष्पांजलि कार्यक्रम के पश्चात सभी गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में नवनिर्मित बालक छात्रावास का लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न होगा। दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले समस्त छात्र-छात्राओं के

दीक्षांत पोशाक बुन्देली पगड़ी और स्टोल का वितरण गौर समाधि प्रांगण से किया गया। इसी स्थल पर विद्यार्थियों ने अपनी डिग्री फाइल भी प्राप्त की। विवि के अभिमंच सभागार में 14 मार्च को दोपहर 2 बजे से भारतीय विवि संघ, नई दिल्ली एआईयू के तत्त्वावधान में तीन दिवसीय प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का भी शुभारम्भ होगा। उक्त कार्यक्रम में देश के कई विवि की छात्राएं प्रतिभागिता करेंगी। देश में पहली बार महिला छात्र संसद का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

पूर्वाभ्यास में विवि की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता थी उपस्थित

दीक्षा समारोह की शोभायात्रा किया पूर्वाभ्यास, आज वितरित होगी सामग्री

दीक्षा समारोह की पूर्व रिहर्सल के दौरान विद्यार्थियों ने पगड़ी पहनकर अन्य तैयारी की। ● नवदुनिया

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के 31 वें दीक्षा समारोह में विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम की पूर्व तैयारी जोरों पर है। स्वर्ण जयंती सभागार में रविवार को दीक्षा समारोह की शोभा यात्रा के पूर्वाभ्यास में विवि की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता उपस्थित थी।

दीक्षा समारोह में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों को बुंदेली पगड़ी, स्टोल और उनकी डिग्री फाइल का वितरण गौर प्रांगण से किया जा रहा है। 13 मार्च को भी सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक दीक्षा सामग्री का वितरण किया जाएगा। विद्यार्थी निर्देशानुसार अपनी इंट्री पास और पहचान पत्र दिखाकर सामग्री प्राप्त कर सकते हैं।

दीक्षा समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो नवीन कानगो ने बताया कि समारोह में सम्मिलित होने वाले सभी छात्र-छात्राओं को निर्धारित परिधान (कुर्ता-पायजामा एवं सलवार-कुर्ता) एवं विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त बुंदेली पगड़ी, स्टोल में आना अनिवार्य है। सभी छात्र-छात्राएं निर्धारित समय पर समारोह स्थल पर पहुँचे और जारी किए गए दिशा-निर्देशों का पालन करें ताकि उन्हें कोई असुविधा न हो।

इस दौरान विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सदस्य, कुलसचिव संतोष सोहगौरा मौजूद थे।

विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में हुई दीक्षांत समारोह की रिहर्सल

गौर प्रांगण में ली विद्यार्थियों ने डिग्री और दीक्षांत सामग्री

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर का 31वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च को विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित किया जा रहा है। इसकी पूर्व तैयारी जोरों पर है। रविवार को अपराह्न 03 बजे से स्वर्ण जयंती सभागार में दीक्षांत समारोह की शोभा यात्रा के पूर्वाभ्यास में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सदस्य, कुलसचिव संतोष सोहगौरा एवं शिक्षक सदस्य, आयोजन समिति के सदस्य, अधिकारी एवं कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों को बुंदेली पगड़ी, स्टोल और उनकी डिग्री फाइल का वितरण गौर प्रांगण से किया जा रहा है। 13 मार्च को भी सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे तक दीक्षांत सामग्री का वितरण किया जाएगा। विद्यार्थी निर्देशानुसार अपनी एंट्री पास और पहचान पत्र दिखाकर सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। दीक्षान्त समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो नवीन कानगो ने बताया कि समारोह में सम्मिलित होने वाले सभी छात्र छात्राओं को निर्धारित परिधान कुर्ता-पायजामा एवं सलवार-कुर्ता एवं विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त बुंदेली पगड़ी, स्टोल में आना अनिवार्य है। सभी छात्र छात्राएं निर्धारित समय पर समारोह स्थल पर पहुंचे और जारी किए गए दिशा निर्देशों का पालन करें ताकि उन्हें कोई असुविधा न हो।

dainikbhaskar.com

विश्वविद्यालय • कन्वोकेशन 14 को स्वर्ण जयंती सभागार में होगा, मंत्री गोपाल भार्गव होंगे मुख्य अतिथि

दीक्षांत समारोह में 1053 विद्यार्थियों को दी जाएगी डिग्री, 54 को मेडल, आज से मिलेगी सामग्री, रिहर्सल कल से

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च को स्वर्ण जयंती सभागार में होगा। इसमें 1053 विद्यार्थियों को उपाधि दी जाएगी। जबकि 54 विद्यार्थियों को विवि मेडल से सम्मानित किया जाएगा। इस बार विद्यार्थियों को कांस्य की जगह गोल्ड मेडल दिए जाएंगे। दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि पीडब्ल्यूडी मंत्री गोपाल भार्गव होंगे। विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल होंगी। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे। शुक्रवार को पत्रकारवार्ता में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा दीक्षांत समारोह एक महत्वपूर्ण अकादमिक आयोजन है। इस वर्ष भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हो रहे हैं। दीक्षांत का आयोजन का एक विद्यार्थी के जीवन में इस रूप में काफी मायने रखता है क्योंकि विवि में रहते, पढ़ते और सीखते हुए अपने अनुभवों को समेटना सबसे अन्यतम अनुभवों में से एक है। समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययनशाला में स्नातक के 439, पीजी के 399 एवं पीएचडी के 28 विद्यार्थियों सहित कुल 866 विद्यार्थी उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे। जबकि 187 विद्यार्थियों को इन असेंशियल उपाधि दी जाएंगी। विद्यार्थी अपनी डिग्री फाइल और ड्रेस सामग्री (बुंदेली पगड़ी और स्टॉल) 11 एवं 13 मार्च को सुबह 11 से शाम 4 बजे एवं 12 मार्च को दोपहर 2 से 5 बजे के बीच विवि के गौर प्रांगण में प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए पंजीकृत विद्यार्थियों को अपना प्रवेश पत्र एवं फोटो पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा। पंजीकृत विद्यार्थी दीक्षांत पोशाक में ही समारोह में शामिल होंगे। छात्रों के लिए ड्रेस कोड सफेद कुर्ता-पायजामा एवं छात्राओं के लिए सफेद सलवार-कुर्ता निर्धारित किया है जिसकी व्यवस्था छात्र-छात्राओं को करनी होगी।

12-13 मार्च को कराया जाएगा पूर्वाभ्यास

प्रो. कानगो ने बताया 12 एवं 13 मार्च को दोपहर 3 बजे से स्वर्ण जयंती सभागार में पूर्वाभ्यास भी होगा। जिसमें पंजीकृत विद्यार्थी भी भाग लेंगे। विद्यार्थियों को 14 मार्च को सुबह 10.15 बजे से पहले निर्धारित सीट ग्रहण करनी होगी। साथ में आने वाले व्यक्तियों के लिए भी स्थल का निर्धारण किया गया है। समारोह में शामिल होने वाले सभी विद्यार्थी वेबसाइट पर दिए गए गूगल फॉर्म के माध्यम से अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए प्रवेश-पास डाउनलोड कर सकते हैं।

14 से विश्वविद्यालय में पहली राष्ट्रीय महिला छात्र संसद लगेगी

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया 14 मार्च को ही विवि में भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के साथ मिलकर तीन दिवसीय राष्ट्रीय महिला छात्र संसद भी शुरू होगी। विवि को पहली राष्ट्रीय महिला छात्र संसद की मेजबानी मिली है। इसमें देश के विभिन्न राज्यों की छात्राएं भी हिस्सा लेंगी। यह आयोजन महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। सांस्कृतिक परिषद के समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने राष्ट्रीय महिला छात्र संसद के आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल ने किया। आभार कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने माना।

विवि ध्वज के साथ चले अधिकारी और शिक्षक, पूरे कार्यक्रम का हुआ पूर्वाभ्यास

दीक्षांत समारोह कल : आज भी होगा अभ्यास, डिग्री-सामग्री भी बांटी जाएगी

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च को स्वर्ण जयंती सभागार में होगा। इसकी रिहर्सल रविवार को स्वर्ण जयंती सभागार में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की मौजूदगी में हुई। विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सदस्य, कुलसचिव संतोष सोहगौरा एवं शिक्षक, आयोजन समिति के सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी इसमें शामिल हुए। दीक्षांत समारोह के दौरान विद्यार्थी किस तरह से अपने मेडल लेने आएंगे, जब डिग्री दी जाएंगी तो किसे क्या करना है, कौन अतिथि, अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक, विद्यार्थी कहां बैठेगा, इन सभी की रिहर्सल की गई। पूर्वाभ्यास किया गया कि दीक्षांत समारोह के दिन किस तरह से अतिथियों के आते ही फोटोग्राफी होगी। प्रोटोकॉल के अनुसार कुलसचिव विवि का ध्वज लेकर चलेंगे। साथ में अतिथि, कुलाधिपति, कुलपति, समारोह के मुख्य समन्वयक, परीक्षा नियंत्रक, शिक्षक, विद्यार्थी प्रतिनिधि आदि चलेंगे। यहां से सभी सीधे स्टेज पर पहुंचेंगे। जहां कुलाधिपति की घोषणा के साथ ही दीक्षांत समारोह विधिवत शुरू हो जाएगा। इसके बाद अन्य गतिविधियां चलेंगी। सोमवार को भी इसी की रिहर्सल की जाएगी। ताकि दीक्षांत समारोह के दिन कोई कमी न रह जाए। या जो कमी है, उसे दूर कर लिया जाए।

सागर। स्वर्ण जयंती सभागार में दीक्षांत समारोह की रिहर्सल हुई।

बुंदेली पगड़ी, स्टॉल के साथ डिग्री का वितरण : दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को बुंदेली पगड़ी, स्टॉल और उनकी डिग्री फाइल का वितरण गौर प्रांगण से किया गया। सोमवार को भी सुबह 11 से शाम 4 बजे तक दीक्षांत सामग्री का वितरण किया जाएगा। विद्यार्थी अपना एंट्री पास और पहचान पत्र दिखाकर सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि सभी विद्यार्थी निर्धारित समय पर पहुंचे।

विवि का 31वां दीक्षांत समारोह 14 को, राष्ट्रीय महिला संसद होगी

नवभारत न्यूज

सागर 10 मार्च. डॉ. सर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का 31 वा दीक्षांत समारोह 14 मार्च को आयोजित किया जा रहा है. इसके साथ ही त्रिदिवसीय राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का प्रथम आयोजन भी होने जा रहा है.

विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की उपस्थिति में समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कांगों ने पत्रकारों को बताया कि समारोह के सुचारू संचालन हेतु 19 समितियां गठित की गई हैं. कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव होगें. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारतीय विवि संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ श्रीमती पंकज मित्तल दीक्षांत भाषण देंगी. समारोह में स्नातक के 439, स्नातकोत्तर के 399 और पीएचडी के 28 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की जायेगी. पहली बार 54 मेधावी विद्यार्थियों को गोल्ड मेडेल दिया जायेगा.

त्रिदिवसीय संसद के प्रमुख डॉ राकेश सोनी ने बताया कि एआईयू द्वारा प्रथम आयोजन 14 से 16 मार्च तक विवि के अभिमंच सभागार में किया जा रहा है. कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती मित्तल और अध्यक्षता विवि कुलपति प्रो. गुप्ता करेंगी. विशिष्ट अतिथि के रूप में एआईयू के संयुक्त सचिव डॉ बलजीत सिंह सेखो, विवि के कुलाधिपति प्रो. बलवंत राय शांतिलाल जॉनी, विधायक शैलेंद्र जैन, महापौर श्रीमती संगीता तिवारी उपस्थित रहेगीं. समापन समारोह के मुख्य अतिथि मंत्री भूपेंद्र सिंह होगें. कुलसचिव संतोष सहगौरा ने वार्ता के अंत में आभार व्यक्त किया. संचालन डॉ विवेक जायसवाल ने किया.

विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह संपन्न

प्रदेश टाइम्स ➡ सागर

डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर का 31वां दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित किया गया. दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि श्री गोपाल भार्गव, माननीय कैबिनेट मंत्री, लोक निर्माण विभाग, कुटीर और ग्रामीण उद्योग, म.प्र. सरकार ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया. भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली (द्व) की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और दीक्षांत भाषण दिया. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्वागत वक्तव्य के साथ ही वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने की. अतिथियों द्वारा डॉ. गौर और ज्ञान की देवी सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई.

राष्ट्र के प्रति कर्तव्यपालन का संकल्प लेकर कार्य करें - कुलाधिपति प्रो. जानी : समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षान्त समारोह में उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी राष्ट्रप्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए भारत के निर्माण में संलग्न हों, ऐसी मेरी कामना है. विश्वविद्यालय भारतीय दृष्टिकोण से विकास कर रहा है। सभागार में मौजूद विद्यार्थियों की पोशाक के माध्यम से बुन्देली अस्मिता के साथ भारतीय अस्मिता को स्थान मिला है। उन्होंने कहा की भारतीय मेधा को बढ़ाने में भारतीय आहार भी अपनी भूमिका निभाते है। उन्होंने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रारूप निर्माण के लिए डॉ हरीसिंह गौर को उनकी भारतीय सोच के लिए चुना गया था। प्रो. जानी ने डॉ. गौर के विकट जीवन संघर्षों को याद करते हुए बताया कि डॉ गौर ने ज्ञान को मनुष्य के उन्नति का मूल और भाषा को साधन मानते हुए अपने द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय में भारतीय भाषाओं के अध्ययन-अध्यापन के केंद्र की शुरुआत की. आज नई शिक्षा नीति में प्राथमिक स्तर पर भी भाषा की बात की जा रही है। नई शिक्षा नीति अंतरअनुशासनिक पद्धति से सर्वांगीण विकास की तरफ विद्यार्थियों को अग्रसर करती है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से राष्ट्र एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति प्रतिबद्ध रहने का अनुरोध किया जिससे उनके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण होगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन से भारत बनेगा विश्वगुरु- डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल : समारोह की विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली (द्व) की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल ने मेडल और उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दी. उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए बधाई देते हुए कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मूक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने पाँच आयामों की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को उनके आने वाले समय के अवसरों से परिचित करवाया। उन्होंने कहा कि यह अवसर इसलिए खास है क्योंकि अमृतकाल महोत्सव मनाया जा रहा है इसके साथ ही नई शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वित हो रही है। डिजिटल शिक्षा भी आगे बढ़ रही है और इसके साथ ही भारत जी20 की अध्यक्षता भी कर रहा है। विद्यार्थियों की भी आकांक्षाएँ बढ़ रही है. वे 'लाइफ लॉंग लर्नर' बनने के साथ एक अच्छे इंसान भी बनने के लिए प्रेरित हैं। इन सभी बिंदुओं के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने शिक्षा नीति में नई तकनीक के साथ शिक्षा के पाठ्यक्रम मे बदलाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक को भी अपनी भूमिका में बदलाव लाने की जरूरत है। एक शिक्षक शिक्षा में सहायक के रूप में काम करेगा। डिजिटल कक्षाओं के संचालन से विद्यार्थी उन्ही कोर्स को पढ़ेंगे जिसमें उन्हे अच्छे शिक्षक पढ़ाएंगे। डिजिटल शिक्षा में अपनी सुविधा अनुसार विद्यार्थी आईआईटी के प्रोफेसर से पढ़ सकते हैं इसलिए शिक्षक को अपने पढ़ाने की भूमिका पर विशेष रूप से ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन में भारत विश्वगुरु बन सकता है और उसे विश्वगुरु बनाने में डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का भी योगदान रहेगा।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थी चेतना और संवेदना के ध्वजवाहक बनें- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता : विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा को विस्तारपूर्वक बताया. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के संकल्पों और आदर्शों पर चलकर यह विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है. विश्वविद्यालय अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से लगातार श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है. विज्ञान और समाज विज्ञान के शिक्षकों को कई शोध परियोजनाएं अनुदान प्रदान करने वाली संस्थाओं द्वारा स्वीकृत की गई हैं. शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने कई अवार्ड हासिल किये हैं. सांस्कृतिक परिषद् के माध्यम से विद्यार्थियों ने कई पुरस्कार हासिल किये हैं और विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई है. उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा प्रारम्भ किये गए नए पाठ्यक्रमों, नवीन भवनों और नवाचारी गतिविधियों की जानकारी विस्तारपूर्वक साझा की. विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के साथ उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर भी विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे कार्यों को साझा किया। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हम एक श्रेष्ठ विश्वविद्यालय के रूप में अपनी पहचान बनायेंगे और उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मानक स्थापित करेंगे. उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए कहा कि विद्यार्थी डॉ. गौर के पदचिन्हों पर चलकर संस्थान और देश का नाम रोशन करें.

विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह संपन्न

बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधि

समारोह का यूट्यूब पर हुआ लाइव प्रसारण

नवनिर्मित बालक छात्रावास का हुआ लोकार्पण

सागर. डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर का 31वां दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित किया गया. दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि श्री गोपाल भार्गव, माननीय कैबिनेट मंत्री, लोक निर्माण विभाग, कुटीर और ग्रामीण उद्योग, म.प्र. सरकार ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया. भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली (द्व) की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और दीक्षांत भाषण दिया. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्वागत वक्तव्य के साथ ही वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने की. अतिथियों द्वारा डॉ. गौर और ज्ञान की देवी सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई.

राष्ट्र के प्रति कर्तव्यपालन का संकल्प लेकर कार्य करें - कुलाधिपति प्रो. जानी

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षान्त समारोह में उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी राष्ट्रप्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए भारत के निर्माण में संलग्न हों, ऐसी मेरी कामना है. विश्वविद्यालय भारतीय दृष्टिकोण से विकास कर रहा है। सभागार में मौजूद विद्यार्थियों की पोशाक के माध्यम से बुन्देली अस्मिता के साथ भारतीय अस्मिता को स्थान मिला है। उन्होंने कहा की भारतीय मेधा को बढ़ाने में भारतीय आहार भी अपनी भूमिका निभाते है। उन्होंने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रारूप निर्माण के लिए डॉ हरीसिंह गौर को उनकी भारतीय सोच के लिए चुना गया था। प्रो. जानी ने डॉ. गौर के विकट जीवन संघर्षों को याद करते हुए बताया कि डॉ गौर ने ज्ञान को मनुष्य के उन्नति का मूल और भाषा को साधन मानते हुए अपने द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय में भारतीय भाषाओं के अध्ययन-अध्यापन के केंद्र की शुरुआत की. आज नई शिक्षा नीति में प्राथमिक स्तर पर भी भाषा की बात की जा रही है। नई शिक्षा नीति अंतरअनुशासनिक पद्धति से सर्वांगीण विकास की तरफ विद्यार्थियों को अग्रसर करती है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से राष्ट्र एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति प्रतिबद्ध रहने का अनुरोध किया जिससे उनके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण होगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन से भारत बनेगा विश्वगुरु - डॉ. पंकज मित्तल

समारोह की विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली (द्व) की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल ने मेडल और उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दी. उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए बधाई देते हुए कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मूक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने पाँच आयामों की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को उनके आने वाले समय के अवसरों से परिचित करवाया। उन्होंने कहा कि यह अवसर इसलिए खास है क्योंकि अमृतकाल महोत्सव मनाया जा रहा है इसके साथ ही नई शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वित हो रही है। डिजिटल शिक्षा भी आगे बढ़ रही है और इसके साथ ही भारत जी20 की अध्यक्षता भी कर रहा है। विद्यार्थियों की भी आकांक्षाएँ बढ़ रही है. वे 'लाइफ लॉंग लर्नर' बनने के साथ एक अच्छे इंसान भी बनने के लिए प्रेरित हैं। इन सभी बिंदुओं के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने शिक्षा नीति में नई तकनीक के साथ शिक्षा के पाठ्यक्रम मे बदलाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक को भी अपनी भूमिका में बदलाव लाने की जरूरत है। एक शिक्षक शिक्षा में सहायक के रूप में काम करेगा। डिजिटल कक्षाओं के संचालन से विद्यार्थी उन्ही कोर्स को पढ़ेंगे जिसमें उन्हे अच्छे शिक्षक पढ़ाएंगे। डिजिटल शिक्षा में अपनी सुविधा अनुसार विद्यार्थी आईआईटी के प्रोफेसर से पढ़ सकते हैं इसलिए शिक्षक को अपने पढ़ाने की भूमिका पर विशेष रूप से ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन में भारत विश्वगुरु बन सकता है और उसे विश्वगुरु बनाने में डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का भी योगदान रहेगा।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थी चेतना और संवेदना के ध्वजवाहक बनें- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा को विस्तारपूर्वक बताया. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के संकल्पों और आदर्शों पर चलकर यह विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है. विश्वविद्यालय अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से लगातार श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है. विज्ञान और समाज विज्ञान के शिक्षकों को कई शोध परियोजनाएं अनुदान प्रदान करने वाली संस्थाओं द्वारा स्वीकृत की गई हैं. शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने कई अवार्ड हासिल किये हैं. सांस्कृतिक परिषद् के माध्यम से विद्यार्थियों ने कई पुरस्कार हासिल किये हैं और विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई है. उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा प्रारम्भ किये गए नए पाठ्यक्रमों, नवीन भवनों और नवाचारी गतिविधियों की जानकारी विस्तारपूर्वक साझा की. विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के साथ उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर भी विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे कार्यों को साझा किया। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हम एक श्रेष्ठ विश्वविद्यालय के रूप में अपनी पहचान बनायेंगे और उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मानक स्थापित करेंगे. उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए कहा कि विद्यार्थी डॉ. गौर के पदचिन्हों पर चलकर संस्थान और देश का नाम रोशन करें.

दीक्षांत विद्यार्थी के जीवन का गौरवशाली क्षण होता है - गोपाल भार्गव

मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश सरकार के लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव ने कहा कि हम सबका छात्र जीवन डॉ. गौर विश्वविद्यालय में बीता है. इसलिए मेरा आत्मीय लगाव है मेरी इस विश्वविद्यालय से जुड़ी कई स्मृतियाँ हैं. उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और कहा कि विद्यार्थी अपने जीवन में आगे बढ़ें और राष्ट्र की सेवा में संलग्न होने का संकल्प लेकर कार्य करना आरम्भ करें. डॉ. गौर के सपनों को साकार करने के लिए हम सबका कर्तव्य है कि हम सभी देश को एक नई दिशा दें.

विश्वविद्यालय ध्वज के साथ हुआ दीक्षांत शोभायात्रा का आगमन

समारोह में विश्वविद्यालय ध्वज के साथ दीक्षांत शोभायात्रा का स्वर्ण जयन्ती सभागार में आगमन हुआ. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंत शांतिलाल जानी, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद् के माननीय सदस्य इस शोभायात्रा में सम्मिलित हुए. शोभायात्रा में कुलसचिव संतोष सोहगौरा ध्वजवाहक रहे.

54 विद्यार्थियों को मिले मेडल, 11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी और पी-एचडी के विद्यार्थियों को मिली उपाधि

दीक्षांत समारोह में शामिल सभी 11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी और पी-एचडी के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई. इसके अतिरिक्त पंजीकृत विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में भी डिग्री प्रदान की गई. विभिन पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मंचासीन अतिथियों ने मेडल भी प्रदान किया. समारोह में समस्त विद्यार्थियों ने बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में उपस्थित रहकर उपाधियाँ प्राप्त कीं.

गौर समाधि पर पुष्पांजलि, नवनिर्मित बालक छात्रावास का हुआ लोकार्पण

दीक्षांत समारोह के आरम्भ होने से पूर्व गणमान्य अतिथियों ने गौर समाधि पर पुष्पांजलि दी. इसके बाद सभी अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में विश्वविद्यालय के नवनिर्मित बालक छात्रावास के शिलापट्ट के अनावरण के साथ लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ.

एनसीसी कैडेट्स ने किया सहयोग

दीक्षांत समारोह के पूरे आयोजन में विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने अभूतपूर्व सहयोग किया. कार्यक्रम के दौरान विभिन्न स्थानों पर मौजूद रहकर वे अनुशासन एवं सहयोग में तत्पर दिखे. विश्वविद्यालय के प्रोक्टोरियल बोर्ड एवं सुरक्षा विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी सुरक्षा एवं अनुशासन में सहयोग प्रदान किया. जिला प्रशासन के अधिकारियों ने भी आयोजन में सहयोग किया. मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो, वरिष्ठ शिक्षक प्रो. पी कठल सहित सभी समन्वयकों एवं उनकी टीम ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना पूरा सहयोग प्रदान किया.

दीक्षांत समारोह का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया और उपाधि प्रदान किये जाने की समस्त कार्रवाई कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने संपन्न कराई. उन्होंने सभी अतिथियों के प्रति आभार प्रदर्शन भी किया. सम्पूर्ण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण विश्वविद्यालय के ईएमआरसी सागर के यूट्यूब चैनल से किया गया. कार्यक्रम में सागर शहर के गणमान्य नागरिक सहित विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षकगण, सेवारत शिक्षक, अधिकारी, जिला प्रशासन के विभिन्न पदाधिकारी, विद्यार्थी, प्रबुद्ध नागरिकगण, सम्माननीय जनप्रतिधि एवं मीडियाकर्मी बंधु उपस्थित रहे.

बदलते जमाने का अखबार
पीपुल्स समाचार

विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह संपन्न, छात्रों में रहा उत्साह

डॉ. सर हरीसिंह गौर यूनिवर्सिटी के छात्रों ने बुंदेली वेशभूषा में ली उपाधि

पीपुल्स संवाददाता ● सागर
मो.नं. 9826021098

डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित किया गया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षान्त समारोह में उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी राष्ट्रप्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए भारत के निर्माण में संलग्न हों, ऐसी उनकी कामना है।

विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल ने मेडल और उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मूक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा को विस्तार पूर्वक बताया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर भी विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों को साझा किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी डॉ. गौर के पदचिन्हों पर चलकर संस्थान और देश का नाम रोशन करें।

मुख्य अतिथि लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव ने कहा कि हम सबका छात्र जीवन डॉ. गौर विश्वविद्यालय में बीता है। इस कारण उनका आत्मीय लगाव है। उनकी इस विश्वविद्यालय से जुडी कई स्मृतियाँ हैं। उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दीं।

समारोह में विश्वविद्यालय ध्वज के साथ दीक्षांत शोभायात्रा का स्वर्ण जयन्ती सभागार में आगमन हुआ।

दीक्षांत समारोह में 11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी और पीएचडी के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त पंजीकृत विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में भी डिग्री प्रदान की गई। विभिन पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मंचासीन अतिथियों ने मेडल भी प्रदान किया। समारोह में विद्यार्थियों ने बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में उपस्थित रहकर उपाधियाँ प्राप्त कीं।

इसके पूर्व गणमान्य अतिथियों ने विवि के नवनिर्मित बालक छात्रावास का लोकार्पण किया। समारोह में एनसीसी कैडेट्स प्रोक्टोरियल बोर्ड एवं सुरक्षा विभाग का सहयोग रहा। संचालन डॉ. आशुतोष ने किया।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह संपन्न

बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधि

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि गोपाल भार्गव कैबिनेट मंत्री ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। भारतीय विवि संघ नई दिल्ली एआईयू की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और दीक्षांत भाषण दिया। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्वागत वक्तव्य के साथ ही वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने की। अतिथियों द्वारा डॉ. गौर और ज्ञान की देवी सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षांत समारोह में उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी राष्ट्रप्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए भारत के निर्माण में संलग्न हों, ऐसी मेरी कामना है। समारोह की विशिष्ट अतिथि डॉ. पंकज मित्तल ने मेडल और उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर विवि को बधाई दी। उन्होंने विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए बधाई देते हुए कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मूक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने पांच आयामों की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को उनके आने वाले समय के अवसरों से परिचित करवाया। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विवि की प्रगति यात्रा को विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के संकल्पों और आदर्शों पर चलकर यह विवि निरंतर प्रगति कर रहा है। मुख्य अतिथि मंत्री गोपाल भार्गव ने कहा कि हम सबका छात्र जीवन डॉ. गौर विवि में बीता है। इसलिए मेरा आत्मीय लगाव है। मेरी इस विवि से जुडी कई स्मृतियां हैं। उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और कहा कि विद्यार्थी अपने जीवन में आगे बढ़ें और राष्ट्र की सेवा में संलग्न होने का संकल्प लेकर कार्य करना आरम्भ करें। दीक्षांत समारोह में शामिल सभी 11 अध्ययन शालाओं के यूजी, पीजी और पीएचडी के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त पंजीकृत विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में भी डिग्री प्रदान की गई। विभिन पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मंचासीन अतिथियों ने मेडल भी प्रदान किया। समारोह में समस्त विद्यार्थियों ने बुन्देली पारंपरिक वेश. भूषा में उपस्थित रहकर उपाधियां प्राप्त कीं।

कार्यक्रम ! बुन्देली पारंपरिक वेशभूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधि, समारोह का यूट्यूब पर हुआ लाइव प्रसारण

विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह संपन्न, नवनिर्मित बालक छात्रावास का हुआ लोकार्पण

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर का 31वां दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित किया गया. दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि गोपाल भार्गव, कैबिनेट मंत्री, लोक निर्माण विभाग, कुटीर और ग्रामीण उद्योग, म.प्र. सरकार ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और दीक्षांत भाषण दिया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्वागत वक्तव्य के साथ ही वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने की. अतिथियों द्वारा डॉ. गौर और ज्ञान की देवी सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

राष्ट्र के प्रति कर्तव्य पालन का संकल्प लेकर कार्य करें : कुलाधिपति प्रो. जानी

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षान्त समारोह में उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी राष्ट्रप्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए भारत के निर्माण में संलग्न हों, ऐसी मेरी कामना है. विश्वविद्यालय भारतीय दृष्टिकोण से विकास कर रहा है। सभागार में मौजूद विद्यार्थियों की पोशाक के माध्यम से बुन्देली अस्मिता के साथ भारतीय अस्मिता को स्थान मिला है। उन्होंने कहा की भारतीय मेधा को बढ़ाने में भारतीय आहार भी अपनी भूमिका निभाते है। उन्होंने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रारूप निर्माण के लिए डॉ हरीसिंह गौर को उनकी भारतीय सोच के लिए चुना गया था। प्रो. जानी ने डॉ. गौर के विकट जीवन संघर्षों को याद करते हुए बताया कि डॉ गौर ने ज्ञान को मनुष्य के उन्नति का मूल और भाषा को साधन मानते हुए अपने द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय में भारतीय भाषाओं के अध्ययन-अध्यापन के केंद्र की शुरुआत की। आज नई शिक्षा नीति में प्राथमिक स्तर पर भी भाषा की बात की जा रही है।

भारत बनेगा विश्वगुरुः डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल

समारोह की विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल ने मेडल और उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दी. उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए बधाई देते हुए कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मूक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने पाँच आयामों की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को उनके आने वाले समय के अवसरों से परिचित करवाया। उन्होंने कहा कि यह अवसर इसलिए खास है क्योंकि अमृतकाल महोत्सव मनाया जा रहा है इसके साथ ही नई शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वित हो रही है। डिजिटल शिक्षा भी आगे बढ़ रही है और इसके साथ ही भारत जी20 की अध्यक्षता भी कर रहा है। विद्यार्थियों की भी आकांक्षाएँ बढ़ रही है. वे 'लाइफ लॉग लर्नर' बनने के साथ एक अच्छे इंसान भी बनने के लिए प्रेरित हैं। इन सभी बिंदुओं के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का महत्वपूर्ण योगदान है।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थी चेतना और संवेदना के ध्वजवाहक बनें: कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा को विस्तारपूर्वक बताया. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के संकल्पों और आदर्शों पर चलकर यह विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है. विश्वविद्यालय अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से लगातार श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है. विज्ञान और समाज विज्ञान के शिक्षकों को कई शोध परियोजनाएं अनुदान प्रदान करने वाली संस्थाओं द्वारा स्वीकृत की गई है. शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने कई अवार्ड हासिल किये हैं।

सांस्कृतिक परिषद् के माध्यम से विद्यार्थियों ने कई पुरस्कार हासिल किये है और विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई है. उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा प्रारम्भ किये गए नए पाठ्यक्रमों, नवीन भवनों और नवाचारी गतिविधियों की जानकारी विस्तारपूर्वक साझा की. विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के साथ उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर भी विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे कार्यों को साझा किया।

दीक्षांत विद्यार्थी के जीवन का गौरवशाली क्षण होता है: गोपाल भार्गव

मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश सरकार के लोक-निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव ने कहा कि हम सबका छात्र जीवन डॉ. गौर विश्वविद्यालय मे बीता है. इसलिए मेरा आत्मीय लगाव है. मेरी इस विश्वविद्यालय से जुड़ी कई स्मृतियाँ हैं. उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और कहा कि विद्यार्थी अपने जीवन में आगे बढ़ें और राष्ट्र की सेवा में संलग्न होने का संकल्प लेकर कार्य करना आरम्भ करें. डॉ. गौर के सपनों को साकार करने के लिए हम सबका कर्तव्य है कि हम सभी देश को एक नई दिशा दें। समारोह में विश्वविद्यालय ध्वज के साथ दीक्षांत शोभायात्रा का स्वर्ण जयन्ती सभागार में आगमन हुआ. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंत शांतिलाल जानी, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद् के सदस्य इस शोभायात्रा में सम्मिलित हुए।

शोभायात्रा में कुलसचिव संतोष सोहगौरा ध्वजवाहक रहे। दीक्षांत समारोह में शामिल सभी 11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी और पी-एचडी के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई. इसके अतिरिक्त पंजीकृत विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में भी डिग्री प्रदान की गई। विभिन पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मंचासीन अतिथियों ने मेडल भी प्रदान किया. समारोह मे समस्त विद्यार्थियों ने बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में उपस्थित रहकर उपाधियाँ प्राप्त कीं। दीक्षांत समारोह के आरम्भ होने से पूर्व गणमान्य अतिथियों ने गौर समाधि पर पुष्पांजलि दी. इसके बाद सभी अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में विश्वविद्यालय के नवनिर्मित बालक छात्रावास के शिलापट्ट के अनावरण के साथ लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ. दीक्षांत समारोह के पूरे आयोजन में विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने अभूतपूर्व सहयोग किया। कार्यक्रम में सागर शहर के गणमान्य नागरिक सहित विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षकगण, सेवारत शिक्षक, अधिकारी, जिला प्रशासन के विभिन्न पदाधिकारी, विद्यार्थी, प्रबुद्ध नागरिकगण, सम्माननीय जनप्रतिधि एवं मीडियाकर्मी बंधु उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह संपन्न, नवनिर्मित बालक छात्रावास का हुआ लोकार्पण

बुंदेली वेश-भूषा में प्राप्त की उपाधि

सागर। डॉ हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर का 31वां दीक्षांत समारोह विवि के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि गोपाल भार्गव, मंत्री लोक निर्माण विभाग कुटीर और ग्रामीण उद्योग ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। भारतीय विवि संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और भाषण दिया। कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने स्वागत वक्तव्य के साथ ही वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति प्रो.बलवंतराय शांतिलाल जानी ने की। अतिथियों द्वारा डॉ गौर और ज्ञान की देवी सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

दीक्षांत समारोह में शामिल सभी 11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी और पीएचडी के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त पंजीकृत विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में भी डिग्री प्रदान की गई। विभिन पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को अतिथियों ने मेडल भी प्रदान किया। समस्त विद्यार्थियों ने बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में उपस्थित रहकर उपाधियां प्राप्त कीं। समारोह के आरंभ से पूर्व गणमान्य अतिथियों ने गौर समाधि पर पुष्पांजलि दी।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थी चेतना और संवेदना के ध्वजवाहक बनें : कुलपति प्रो. गुप्ता

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा को विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि डॉ गौर के संकल्पों और आदर्शों पर चलकर यह विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है। विवि अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से लगातार श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने विवि द्वारा प्रारम्भ किये गए नए पाठ्यक्रमों, नवीन भवनों और नवाचारी गतिविधियों की जानकारी विस्तारपूर्वक साझा की। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हम एक श्रेष्ठ विवि के रूप में अपनी पहचान बनायेंगे और उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मानक स्थापित करेंगे। उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए कहा कि विद्यार्थी डॉ गौर के पदचिन्हों पर चलकर संस्थान और देश का नाम रोशन करें।

इसके बाद विवि के नवनिर्मित बालक छात्रावास के शिलापट्ट के अनावरण के साथ लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन से भारत बनेगा विश्वगुरुः डॉ मित्तल

समारोह की विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ पंकज मित्तल ने मेडल और उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मूक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने पांच आयामों की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को उनके आने वाले समय के अवसरों से परिचित करवाया। उन्होंने कहा कि यह अवसर इसलिए खास है क्योंकि अमृतकाल महोत्सव मनाया जा रहा है इसके साथ ही नई शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वित हो रही है। डिजिटल शिक्षा भी आगे बढ़ रही है और इसके साथ ही भारत जी20 की अध्यक्षता भी कर रहा है। विद्यार्थियों की भी आकांक्षाएं बढ़ रही हैं। वे लाइफ लॉग लर्नर बनने के साथ एक अच्छे इंसान भी बनने के लिए प्रेरित हैं। इन सभी बिंदुओं के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने शिक्षा नीति में नई तकनीक के साथ शिक्षा के पाठ्यक्रम मे बदलाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक को भी अपनी भूमिका में बदलाव लाने की जरूरत है। एक शिक्षक शिक्षा में सहायक के रूप में काम करेगा। डिजिटल कक्षाओं के संचालन से विद्यार्थी उन्ही कोर्स को पढ़ेंगे जिसमें उन्हे अच्छे शिक्षक पढ़ाएंगे। डिजिटल शिक्षा में अपनी सुविधा अनुसार विद्यार्थी आईआईटी के प्रोफेसर से पढ़ सकते हैं इसलिए शिक्षक को अपने पढ़ाने की भूमिका पर विशेष रूप से ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन में भारत विश्वगुरु बन सकता है और उसे विश्वगुरु बनाने में डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का भी योगदान रहेगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन से भारत बनेगा विश्वगुरु

दीक्षा समारोह ● बुंदेली पारंपरिक वेशभूषा में विद्यार्थियों को प्रदान की गई उपाधि, नवनिर्मित बालक छात्रावास का हुआ लोकार्पण

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षा समारोह मंगलवार को विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को बुंदेली वेशभूषा पगड़ी व सफेद कुर्ता पायजामा में उपाधि दी गई, जिसे पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस दौरान विवि परिसर में छात्रावास का लोकार्पण भी किया गया। वहीं समारोह में मुख्य अतिथि लोक निर्माण विभाग मंत्री गोपाल भार्गव ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षा समारोह में उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी राष्ट्रप्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए भारत के निर्माण में संलग्न हों। विवि भारतीय दृष्टिकोण से विकास कर रहा है। उन्होंने कहा कि डा. गौर ने ज्ञान को मनुष्य के उन्नति का मूल और भाषा को साधन मानते हुए अपने द्वारा स्थापित विवि में भारतीय भाषाओं के अध्ययन-अध्यापन के केंद्र की शुरुआत की। आज नई शिक्षा नीति में प्राथमिक स्तर पर भी भाषा की बात की जा रही है।

नई शिक्षा नीति अंतरअनुशासनिक पद्धति से सर्वांगीण विकास की तरफ विद्यार्थियों को अग्रसर करती है।

शिक्षक को भी अपनी भूमिका में बदलाव लाने की जरूरत है : डा. मित्तल: समारोह की विशिष्ट अतिथि भारतीय विवि संघ की महासचिव डा. पंकज मित्तल ने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मूक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षक को भी अपनी भूमिका में बदलाव लाने की जरूरत है। एक शिक्षक शिक्षा में सहायक के रूप में काम करेगा। डिजिटल कक्षाओं के संचालन से विद्यार्थी उन्हीं कोर्स को पढ़ेंगे जिसमें उन्हें अच्छे शिक्षक पढ़ाएंगे। डिजिटल शिक्षा में अपनी सुविधा अनुसार विद्यार्थी आइआइटी के प्रोफेसर से पढ़ सकते हैं इसलिए शिक्षक को अपने पढ़ाने की भूमिका पर विशेष रूप से ध्यान देना होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन में भारत विश्वगुरु बन सकता है और उसे विश्वगुरु बनाने में डा. गौर विवि का भी योगदान रहेगा।

कार्यक्रम के दौरान शोभायात्रा निकाली गई जिसमें शामिल अतिथि विद्यार्थियों के बीच से होते हुए मंच तक पहुंचे। ● नवदुनिया

दीक्षा समारोह में उपाधि मिलने के बाद उत्साह मनाते छात्र-छात्राएं। ● नवदुनिया

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को मेडल पहनाकर उपाधि देती हुई अतिथि। ● नवदुनिया

दीक्षा विद्यार्थी के जीवन का गौरवशाली क्षण होता है : भार्गव

मुख्य अतिथि लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव ने आनलाइन कार्यक्रम में जुड़ते हुए कहा कि हम सबका छात्र जीवन डा. गौर विवि में बीता है। मेरी इस विश्वविद्यालय से जुड़ी कई स्मृतियां हैं। उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी और कहा कि विद्यार्थी अपने जीवन में आगे बढ़ें और राष्ट्र की सेवा में संलग्न होने का संकल्प लेकर कार्य करना आरंभ करें। डा. गौर के सपनों को साकार करने के लिए हम सबका कर्तव्य है कि हम सभी देश को एक नई दिशा दे।

शोभायात्रा निकली, विद्यार्थियों को बांटे मेडल: समारोह में विवि ध्वज के साथ दीक्षा शोभायात्रा का स्वर्ण जयंती सभागार में आगमन हुआ।

शोभायात्रा में कुलसचिव संतोष सोहगौरा ध्वजवाहक रहे। इसके बाद समारोह में शामिल सभी 11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी और पी-एचडी के विद्यार्थियों को उपाधि दी गई। विभिन पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मंचासीन अतिथियों ने मेडल दिया। समारोह में समस्त विद्यार्थियों ने बुन्देली पारंपरिक वेशभूषा में उपस्थित रहकर उपाधियां प्राप्त की। इसके पूर्व अतिथियों ने गौर समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद सभी अतिथियों ने विवि के नवनिर्मित बालक छात्रावास का लोकार्पण किया।

समारोह में विवि के एनसीसी कैडेट्स ने सहयोग किया। इस दौरान मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो थे व संचालन डा. आशुतोष ने किया।

- दीक्षा समारोह में विवि के एनसीसी कैडेट्स ने सहयोग किया
- 11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी व पीएचडी के विद्यार्थियों को उपाधि दी

विद्यार्थी चेतना व संवेदना के ध्वजवाहक बनें- कुलपति

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि डा. गौर के संकल्पों और आदर्शों पर चलकर यह विवि निरंतर प्रगति कर रहा है। विवि अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से लगातार श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है। विज्ञान और समाज विज्ञान के शिक्षकों को कई शोध परियोजनाएं अनुदान प्रदान करने वाली संस्थाओं ने स्वीकृत की है। शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने कई अवार्ड हासिल करके विवि को राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई है। उन्होंने कहा कि हम एक श्रेष्ठ विवि के रूप में अपनी पहचान बनाएंगे।

भारतीय दृष्टिकोण से विकास कर रहा विवि

विवि के 31वें दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति जानी ने कहा, श्रेष्ठ विवि के रूप में अपनी पहचान बनायेगा विवि :कुलपति

नवभारत न्यूज

सागर 14 मार्च. डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया.

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षांत समारोह में उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी राष्ट्रप्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए भारत के निर्माण में संलग्न हों, ऐसी मेरी कामना है. विश्वविद्यालय भारतीय दृष्टिकोण से विकास कर रहा है. विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ. श्रीमती पंकज मित्तल ने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मूक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है.

उन्होंने पाँच आयामों की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को उनके आने वाले समय के अवसरों से परिचित करवाया. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हम एक श्रेष्ठ विश्वविद्यालय के रूप में अपनी पहचान बनायेंगे और उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मानक स्थापित करेंगे. मुख्य अतिथि लोनिवि मंत्री गोपाल भार्गव ने वीडियो से संदेश दिया. समारोह में विवि ध्वज के साथ दीक्षांत शोभायात्रा का स्वर्ण जयन्ती सभागार में आगमन हुआ. दीक्षांत समारोह में शामिल सभी 11 अध्ययनशालाओं के यूजीए पीजी और पी.एचडी के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई. इसके अतिरिक्त पंजीकृत विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में भी डिग्री प्रदान की गई. विभिन पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मंचासीन अतिथियों ने मेडल भी प्रदान किया.

दीक्षांत समारोह के आरम्भ होने से पूर्व अतिथियों ने गौर समाधि पर पुष्पांजलि दी. एनसीसी कैडेट्स ने किया सहयोग

दीक्षांत समारोह का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया और उपाधि प्रदान किये जाने की समस्त कार्रवाई कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने संपन्न कराई. मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो, वरिष्ठ शिक्षक प्रो. पी कठल सहित सभी समन्वयकों एवं उनकी टीम ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना पूरा सहयोग प्रदान किया.

SAGAR PRIME
पत्रिका सागर प्राइम
02
पत्रिका patrika.com
सागर, बुधवार, 15 मार्च, 2023

स्वर्ण जयंती सभागार में संपन्न हुआ 31वां दीक्षांत समारोह, महिला छात्र संसद भी सजी

दीक्षांत समारोह में उपाधि लेकर हर्ष से झूमे विद्यार्थी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्वर्णजयंती सभागार में मंगलवार को 31वें दीक्षांत समारोह का मौका था। विद्यार्थी अपने अध्ययन- शोध के लिए उपाधि मिलने से गौरवान्वित और हर्षित थे। खुशी के इस पल को दोगुना करने वाली सांस्कृतिक घटना भी परिसर में हुई। अवसर देश की पहली महिला छात्र संसद का था। विवि परिसर में लोकसभा की तर्ज पर सजे अभिमंच सभागार में जनप्रतिनिधियों के रूप में देश के विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों से आई छात्राएं तैयार थीं।

सभागार में बैठे हर व्यक्ति को अनुभूति भी बिलकुल वैसी ही हो रही थी जैसी लोकसभा की कार्रवाई को वे अपने सामने प्रत्यक्ष देख रहे हों। स्वर्ण जयंती सभागार में मंगलवार सुबह 10 बजे तक 31वें दीक्षांत समारोह में शामिल होकर उपाधि लेने बुंदेली परिधान में सजे विद्यार्थी पहुंच चुके थे। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव आयोजन में ऑनलाइन शामिल हुए। भारतीय विश्वविद्यालय संघ की महासचिव डॉ.पंकज मित्तल, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता और कुलाधिपति प्रो.बलवंतराय शांतिलाल जानी ने उत्कृष्ट विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान कीं। इस मौके पर 1053 विद्यार्थियों को उपाधि और मेडल प्रदान किए गए। जिनमें सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययनशालाओं के 439 स्नातक, 399 स्नातकोत्तर, 28 शोध छात्रों सहित 866 को मंच से उपाधियां मिली जबकि 187 विद्यार्थियों को इन अब्सेंशिया उपाधि दी गई। कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने स्वागत भाषण और वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली की

उपाधि मिलने पर खुशी मनाते मेधावी विद्यार्थी

सागर. कार्यक्रम को संबोधित करते अतिथि।

महासचिव डॉ. पंकज मित्तल ने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मूक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है। नई शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वित हो रही है। डिजिटल शिक्षा भी आगे बढ़ रही है। हमारा भारत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है।

सदन के रूप में नजर आया अभिमंच सभागार

दीक्षांत समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय और भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का आयोजन भी अनूठा रहा। पहले दिन सदन की कार्रवाई से पहले अतिथियों ने देवी सरस्वती और डॉ.हरि सिंह गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन किया। सांस्कृति परिषद के समन्वयक डॉ.राकेश सोनी ने स्वागत भाषण पढ़ा तो कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विवि की गतिविधियों से अवगत कराया। मुख्य अतिथि एआइयू महासचिव डॉ.पंकज मित्तल ने छात्राओं को पूरी क्षमता से आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा 97 साल में महिला छात्र संसद का यह पहला आयोजन है। महिलाओं को स्वयं के प्रति सोच बदलनी होगी क्योंकि वे स्वयं को कम आंकती हैं। किसी इंजीनियर- डॉक्टर के बारे में सोचो तो पुरुष का चेहरा सामने आता है। ऐसा केवल सोच की वजह से है। देश में 75 साल तक सुप्रीम कोर्ट में कोई महिला चीफ जस्टिस नहीं बनी। देश में 1100 विश्वविद्यालय हैं, लेकिन केवल 68 में ही महिला कुलपति हैं। अनुपात में देखें तो परीक्षा परिणामों में अव्वल छात्राएं रहती हैं। गोल्ड मेडल पाने में वे आगे हैं, लेकिन जब सर्वोच्च पदों पर पहुंचने की बारी आती है तो ये टॉपर कहां चली जाती हैं। 2019 में लोकसभा में केवल 700 महिलाओं ने चुनाव लड़ा और 11 प्रतिशत जीतकर अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। अनुपात में यह संख्या पुरुषों से दोगुना है, लेकिन फिर भी महिलाओं को अवसर नहीं मिलता। पहली महिला छात्र संसद के आयोजन का उद्देश्य यही है कि महिलाएं स्वयं का सही आकलन करें।

कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने विवि में देश के पहले राष्ट्रीय महिला छात्र संसद के आयोजन का दायित्व मिलने पर खुशी जताई और एआईयू का आभार माना। कुलाधिपति प्रो.बलवंतराय शांतिलाल जानी ने विवि के संस्थापक डॉ.हरिसिंह गौर के महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए गए कार्यों को याद किया। उन्होंने कहा डॉ. गौर ने महिलाओं को अधिवक्ता बनने का अधिकार दिलाया। विवाह में महिलाओं की स्वीकृति और अंतरजातीय विवाह के लिए एक्ट बनाया। वर्षों से चली आ रही दासी प्रथा से महिलाओं को मुक्ति दिलाई। वे हमेशा नारी कल्याण के लिए चिंतित रहे। इसलिए विवि में हो रही महिला छात्र संसद सांस्कृतिक इतिहास में दर्ज होने वाली घटना है जिसके साक्षी हम सब बने हैं।

राष्ट्रगान के साथ शुरू हुई महिला छात्र संसद

पक्ष : पंजाब की लवली यूनिवर्सिटी की छात्रा (योजना का समर्थन करते हुए) माननीय, विपक्ष तो योजना को लेकर जनता को भ्रमित कर रहा है जबकि हकीकत कुछ और है। उन्होंने कई राज्यों में आवास मिलने से लोगों के जीवन में आए बदलाव के उदाहरण प्रस्तुत किए।

विपक्ष : (डॉ. हरिसिंह गौर विवि की छात्रा खुशी सलूजा) योजना की खामियों पर ध्यान आकर्षित करते हुए शेर पढ़ा। उन्होंने कहा योजना केवल सपने दिखाने वाली है। यदि वास्तव में लोगों को आवास उपलब्ध कराना है तो इसमें सुधार की जरूरत है।

दृश्य : अभिमंच सभागार के मंच पर अभिभाषण के बाद सदन की आसंदी पर सभापति की मौजूदगी

प्रधानमंत्री के रूप में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की छात्रा संकल्प पढ़ते हुए - हर व्यक्ति का अपना घर हो यह संकल्प हमारी सरकार का है। संकल्प जरूर पूरा होगा। 2025 तक सभी को घर उपलब्ध कराएंगे। इसका क्रियान्वयन नेक नियत से किया है। घर एक संस्कार से बनता है। अपने संबोधन के अंत में पंक्ति 'हादसों की जद में हैं तो क्या मुस्कुराना छोड़ दें, जलजलों के खौफ से क्या घर बनाना छोड़ दें' पढ़ी।

विपक्ष की नेता : (अवधेश प्रतापसिंह विश्वविद्यालय की छात्रा सौम्या विश्वकर्मा) सभापति महोदय, प्रधानमंत्री आवास योजना केवल जनता को भावनात्मक रूप से गुमराह करने वाली योजना है। योजना के लिए जितनी जगह निर्धारित है क्या उसमें एक परिवार रह सकता है। जो राशि तय है क्या उसमें गुणवत्ता के साथ काम हो सकता है।

दैनिक भास्कर सागर, बुधवार 15 मार्च, 2023

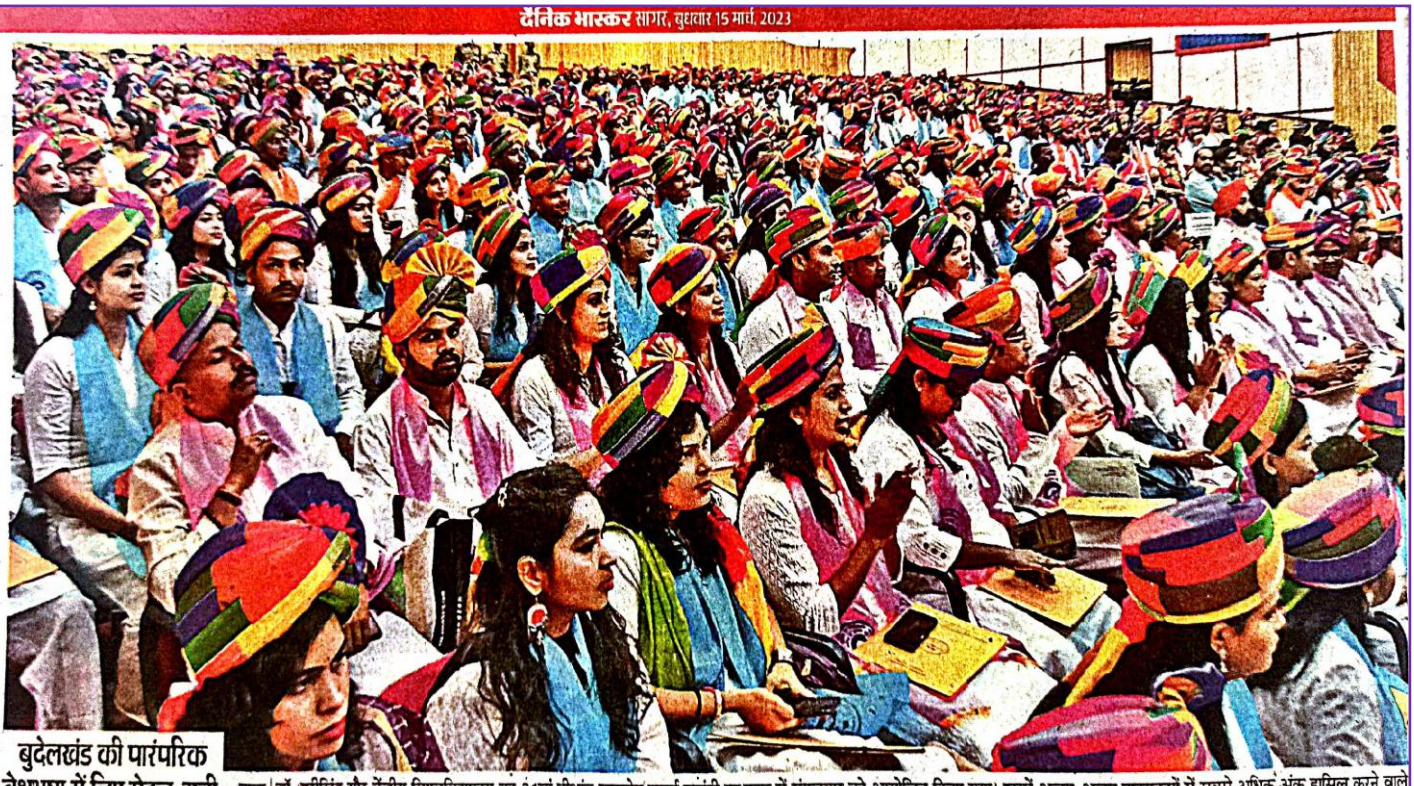

बुंदेलखंड की पारंपरिक वेशभूषा में लिए मेडल, यूजी, पीजी की उपाधि भी दी गई

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह स्वर्ण जयंती सभागार में मंगलवार को आयोजित किया गया। इसमें अलग-अलग पाठ्यक्रमों में सबसे अधिक अंक हासिल करने वाले 54 विद्यार्थियों को मेडल व सभी 11 अध्ययन शालाओं के यूजी, पीजी और पी-एचड़ी के विद्यार्थियों को उपाधि दी गई। मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री गोपाल भार्गव रहे। विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल रहीं। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्वागत के साथ ही सालाना रिपोर्ट दी। समारोह में सभी विद्यार्थी बुंदेलखंड की पारंपरिक वेश-भूषा में शामिल हुए।

31वां दीक्षांत समारोह: डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में संपन्न हुआ

11 अध्ययनशालाओं के 54 स्टूडेंट विश्वविद्यालय पदक से हुए सम्मानित, समारोह में 886 विद्यार्थियों को मिली डिग्री

प्रवेश संवाद ❋ सागर

डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर का 31वां दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित किया गया। इस दौरान 886 विद्यार्थियों को डिग्री दी गई। वहीं 11 अध्ययनशालाओं के 54 विद्यार्थी मेडल से सम्मानित हुए। समारोह में विश्वविद्यालय ध्वज के साथ दीक्षांत शोभायात्रा का स्वर्ण जयन्ती सभागार में आगमन हुआ। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंत शांतिलाल जानी, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद् के सदस्य इस शोभायात्रा में सम्मिलित हुए। शोभायात्रा में कुलसचिव संतोष सोहगौरा ध्वजवाहक रहे।

दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि लोकनिर्माण मंत्री गोपाल भार्गव ने वीडियो संदेश के माध्यम से विद्यार्थियों को संबोधित किया। मंत्री गोपाल भार्गव ने कहा कि हम सबका छात्र जीवन डॉ. गौर विश्वविद्यालय में बीता है। इसलिए मेरा आत्मीय लगाव है। उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और कहा कि विद्यार्थी अपने जीवन में आगे बढ़ें और राष्ट्र की सेवा में संलग्न होने का संकल्प लेकर कार्य करना आरम्भ करें। कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल उपस्थित रहीं।

राष्ट्र के प्रति कर्तव्यपालन का संकल्प लेकर कार्य करें: कुलाधिपति

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि विश्वविद्यालय भारतीय दृष्टिकोण से विकास कर रहा है। सभागार में मौजूद विद्यार्थियों की पोशाक के माध्यम से बुन्देली अस्मिता के साथ भारतीय अस्मिता को स्थान मिला है। प्रो. जानी ने कहा कि आज नई शिक्षा नीति में प्राथमिक स्तर पर भी भाषा की बात की जा रही है। नई शिक्षा नीति अंतर अनुशासनिक पद्धति से सर्वांगीण विकास की तरफ विद्यार्थियों को अग्रसर करती है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा को विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के संकल्पों और आदर्शों पर चलकर यह विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है। विश्वविद्यालय शैक्षणिक गतिविधियों से लगातार श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है।

शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन से भारत बनेगा विश्वगुरु: डॉ. मित्तल

समारोह की विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल ने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मूक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन में भारत विश्वगुरु बन सकता है और उसे विश्वगुरु बनाने में डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का भी योगदान रहेगा। दीक्षांत समारोह के पूर्व गणमान्य अतिथियों ने गौर समाधि पर पुष्पांजलि दी। इसके बाद सभी अतिथियों ने विश्वविद्यालय के नवनिर्मित बालक छात्रावास का लोकार्पण किया। दीक्षांत समारोह का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया और आभार प्रभारी कुलसचिव डॉ. संतोष सोहगौरा ने माना। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण ईएमआरसी सागर के यूट्यूब चैनल से किया गया।

दीक्षांत समारोह की सजीव प्रसारण लिंक

https://www.youtube.com/watch?v=AtL_js0EK84

सोशल मीडिया पर प्रसारित ख़बरें

1. https://www.sagarwatch.in/2023/03/convocation-ceremony-convocation-is.html
2. https://www.publicvibe.com/post/16784521897191491 67?utm_source=share&utm_medium=android&userid=1638075995403565150
3. https://www.teenbattinews.com/2023/03/31-14-14-16.html?m=0
4. https://ncrsamacharlive.in/newsdetails/latest_Post/madhya-pradesh-rehearsal-of-convocation-ceremony-held-at-sagar-dr-harisingh-gour-university-golden-jubilee-auditorium
5. https://www.etvbharat.com/hindi/madhya-pradesh/state/sagar/sagar-university-convocation-students-receive-degree-wearing-bundeli-turban-rehearsalcontinues/mp20230313105646032032777
6. https://youtu.be/cZccqdiXshs
7. https://www.youtube.com/live/AtL_js0EK84?feature=share
8. https://bharatbhvh.com/universitys-31st-convocation-on-march-14/
9. https://khabarkaasar.com/2023/03/first-national-womens-student-parliament-will-be-organized-from-march-14-to-16/
10. https://www.teenbattinews.com/2023/03/gour-vishwavidyalaya-sagar.html?m=0
11. https://www.sagarwatch.in/2023/03/convocation-ceremony-digital-education.html

Convocation - 2023
Advisory Committee

Prof. Neelima Gupta	Hon'ble Vice Chancellor	Chairperson
Prof. P.K. Kathal	Dept. of Applied Geology	Member
Prof. Sanjay K. Jain	Dept. of Pharmaceutical Sciences	Member
Prof. A.D. Sharma	Director, Students' Affairs	Member
Prof. G.L. Puntambekar	Dept. of Commerce	Member
Prof. Chanda Bain	Proctor	Member
Prof. Devasish Bose	Finance Officer (I/c)	Member
Prof. H. Thomas	Dept. of Applied Geology	Member
Prof. Naveen Kango	Director, Academic Affairs	Convenor
Shri Santosh Sohgaura	Registrar (Offg.)	Member
Shri Satish Kumar	Dy. Registrar (Academics)	Member

Committees & Conveners

Name of the Committee	Convenor	Members
Degree Committee (DC) and Medal Committee (MC)	**Dr. Surendra Gadewar, I/c CoE**	Prof. D.K.Nema
		Prof. B.K.Shrivastava
		Dr. Goutam Prasad
		Dr. KK Rao
		Dr. Arvind Mishra
		Dr. Pradeep Tiwari
Robe Design & Distribution Committee (RDDC)	**Prof. A. D. Sharma**	Dr. Preeti Wadhwani
		Dr. Pankaj Singh
		Dr. Ashutosh Mishra
		Dr. Vivek Jaiswal
		Dr. Sanjay Kumar Sharma
Bouquet and Memento Committee	**Prof. H. Thomas**	Shri Madhav Chandra
Dias Pandal & Decoration Committee (DPDC)	**Prof. Sanjay K. Jain - Convenor Shri Rahul Giri Goswami, Co-convenor**	Prof .Varsha Sharma
		Prof. Ashish Verma
		Prof. Vandana Soni
		Dr. Sunit Walia
		Dr. Shalini Choitharani
		Dr. Pankaj Tiwari
		Shri Deepak Singhai
		Miss Nidhi Jain
		Shri Sohail Ahmed Qureshi
Legal Committee (LC)	**Prof. Y. S. Thakur**	Dr. Anupama Pandit Saxena
		Shri Brij Bhushan
Finance Committee (FC)	**Prof. Devashish Bose**	Shri Vivek Visaria
		Shri Deepak Shakya
		Mr. Lokesh Uike
Invitation Committee (IC)	**Prof. Subodh Jain – Convenor Registrar – Co-convenor**	Prof. Varsha Sharma
		Dr. Ritu Yadav
		Dr. Rani Dubey
		Dr. Rakesh Soni
		Dr. Pankaj Tiwari
		Dr. Pradeep Tiwari
		Shri Bhagat Singh
Convocation Booklet & Souvenir Committee (CBSC)	**Prof. Umesh Patil**	Prof. Shweta Yadav
		Dr. Ashutosh Mishra

Transport Committee (TC)	**Shri Satish Kumar**	Shri Deepak Shakya
		Shri RK Pal
		Shri Yogesh Namdev
Accommodation Committee (AC)	**Prof. Sanjay K. Jain**	Prof. Vandana Soni
		Prof. Umesh Patil
		Dr. Pankaj Tiwari
		Shri Samarth Dixit
Refreshment Committee (RC)	**Prof. Vandana Soni - Convenor**	Prof. Chanda Ben
		Dr. Sandhya Patel
		Dr. Pawan Kumar Sharma
	Prof. Ratnesh Das – Co-convenor	Shri Deepak Shakya
		Dr. Awadhesh PS Tomer
Vandana Committee (VNC)	**Dr. Lalit Mohan**	Dr. Rahul Swarnkar
		Dr. Awadhesh PS Tomer
Programme Committee (PC) and Convocation Procession Committee (CPC)	**Prof. P. K. Kathal**	Prof Devashish Bose
		Prof. B I Guru
		Dr. K. N. Jha
		Dr Rakesh Soni
		Shri Bhagat Singh
Proctorial Board & Student Discipline Committee (PBSDC)	**Prof. Chanda Bain- Convenor**	Prof. Diwakar Singh Rajput
		Prof. Ashok Kumar Ahirwar
		Dr. Shri Bhagwat
		Dr. Rashmi Singh
		Dr. Ritu Yadav
		Dr. Rajendra Yadav
		Dr. Rakesh Soni
		Dr. Pawan Kumar Sharma
		Dr. CP Upadhyay
		Dr. K. S. Mathur
		Dr. Krishna Kumar
		Dr. Veerendra Singh Matsaniya
		Dr. Sanjay Baroliya
		Dr. Afreen Khan
		Dr. Shalini Choithrani
Web-Cell and Online System Committee (WOC), Press and Media Committee (PMC) and Digital Media Committee (DMC)	**Shri Rupendra Chourasiya**	Dr. Anurag Shrivastava
		Dr. Pankaj Tiwari
	Dr. Vivek Jaiswal, Co-convenor	Shri Sachin Kumar Goutam
		Shri Madhav Chandra
		Shri Rajendra Vishwakarma
		Shri Bhartesh Jain
Medical Committee (MC)	**Dr. Abhishek Jain**	Dr. Bhupendra Kumar Patel
	Dr. Kiran Maheshwari, Co- convenor	Shri Arun Sirothiya
Security Arrangement Committee	**Dr. Himanshu Kumar**	Dr. Krishna Kumar
NCC Officers on Student Discipline Committee	**Dr. Usha Rana**	Dr. Dharmendra Kumar Saraf
		Dr. Gautam Prasad
Convocation Office	**Prof. Naveen Kango**	Dr. Sunit Walia
		Dr. Y. Bhargava
		Dr. Sarvendra Yadav
		Mr. D. K. Silar
		Shri Ramesh Prajapati
		Shri Saurabh Shah

www.dhsgsu.edu.in

SagarUniversity DoctorGour Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya,Sagar

संकलन, चयन एवं संपादन
कार्यालय, मीडिया अधिकारी
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
Email- mediaofficer@dhsgsu.edu.in Website-www.dhsgsu.edu.in